

वर्ष: 15

अंक: 96

लखनऊ,

बुधवार 26 नवंबर 2025

मूल्य: 02 रुपये

पृष्ठ- 08

कुरुक्षेत्र में पीएम मोदी का कड़ा संदेश, नया भारत आतंकवाद से न डरता है, न झुकता है

कुरुक्षेत्र। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि पूरी दुनिया ने देखा कि नया भारत आतंकवाद से न तो डरता है और न ही उसके आगे झुकता है। मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत शांति चाहता है, लेकिन वह अपनी सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा। सिखों के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हम दुनिया से विश्व बंधुत्व की बात करते हैं और अपनी सीमाओं की भी रक्षा करते हैं। हम शांति चाहते हैं, लेकिन अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करते।

मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर इसका सबसे बड़ा

रहा है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मैं हमारे समाज के युवाओं से

हमारे कई युवाओं के सपनों को गंभीर चुनौती दी है। सरकार इस समस्या को खत्म करने के



लिए हर संभव प्रयास कर रही है, लेकिन यह समाज और परिवारों पर एक बोझ भी है। ऐसे समय में, गुरु तेग बहादुर की शिक्षाएँ हमारे लिए प्रेरणा भी हैं और समाधान भी।

मोदी ने दिन में अपनी अयोध्या यात्रा को भी याद किया और उस दिन को भारत की विरासत का अद्भुत संगम बताया।

उदाहरण है। नया भारत न डरता है, न रुकता है, और न ही आतंकवाद के सामने झुकता है। आज का भारत पूरी ताकत, साहस और स्पष्टता के साथ आगे बढ़

जुड़े एक मुद्दे पर भी चर्चा करना चाहता है, एक ऐसा मुद्दा जिस पर गुरु साहिब ने भी चिंता व्यक्त की थी। यह मुद्दा है नशा, ड्रग्स का मुद्दा। नशे की लत ने

एएनआई के अनुसार, उन्होंने कहा, 'आज सुबह मैं रामायण की नगरी अयोध्या में था और अब मैं गीता की नगरी कुरुक्षेत्र में हूँ। हम सभी यहाँ श्री गुरु तेग

बहादुर जी को उनके 350वें शहीदी दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। मैं इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी संतों और सम्मानित संगत को आदरपूर्वक नमन करता हूँ।

भारत ने मई में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जो 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, के बाद नई दिल्ली की सीधी सैन्य प्रतिक्रिया थी। भारत ने 7 मई की तड़के यह अभियान शुरू किया और 10 मई को युद्धविराम से पहले पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी और सैन्य ठिकानों पर हमला किया। इस संघर्ष में लड़ाकू विमानों, मिसाइलों, सशस्त्र ज़ेनों और भीषण तोपखाने की गोलीबारी शामिल थी।

6 दिसंबर को अब भारत क्या बड़ा करने वाला है? टेंशन में चीन-पाक

दिल्ली। भारत ने संभावित मिसाइल परीक्षण के महेनजर 6-8 दिसंबर तक बंगाल की खाड़ी के ऊपर 14,000 किलोमीटर के क्षेत्र में नो-फ्लाई जोन नोटिस जारी किया है। छब्बड़ या हवाई मिशनों के लिए नोटिस, पायलटों, एयरलाइनों और हवाई यातायात नियंत्रकों को जारी किया जाने वाला एक आधिकारिक अलर्ट है, जब भी कोई महत्वपूर्ण जानकारी होती है जो किसी उड़ान की सुरक्षा या योजना को प्रभावित कर सकती है। इन नोटिसों का उपयोग अस्थायी परिवर्तनों या खतरों के बारे में सूचित करने के लिए किया जाता है। इनमें रनवे बंद होना, हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध, उपकरणों में रुकावट, ज्वालामुखी राख की चेतावनी या कोई अन्य घटनाक्रम शामिल हो सकता है जिसके बारे में पायलटों को उड़ान भरने से पहले पता होना चाहिए।



संचालन से जुड़े कर्मियों को किसी भी वैमानिक सुविधा सेवा प्रक्रिया या खतरे के बारे में जानकारी दी जा सके। इसका उद्देश्य उड़ान सुरक्षा सुनिश्चित करना है। नोटम में कुछ यह जानकारीया शामिल हो सकती है। जैसे हवाई अड्डे की स्थिति जैसे रनवे बंद होना, लाइटिंग में खराबी, हवाई क्षेत्र में प्रतिबंध जैसे सैन्य अभ्यास या फिर रॉकेट लॉन्च, मौसम की चेतावनी, ज्वालामुखी राख या फिर पक्षियों की मौजूदगी।

इससे पहले एक्स त्रिशूल नाम के इस युद्ध अभ्यास में भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना का जॉइंट ऑपरेशन किया था। इसके जरिए भारत की बढ़ती

संयुक्त युद्ध क्षमता, आत्मनिर्भरता और इनोवेशन को दिखाया जाएगा। 11 से 12 दिनों तक इतने बड़े इलाके में भारत की तीनों सेनाओं के युद्ध अभ्यास से पाकिस्तान भी इतना डर गया कि उसने भी 2 दिन के लिए नोटम जारी कर दिया। पाकिस्तान को डर था कि कहीं गलती से उसके एयरक्राफ्ट्स या विमान इस इलाके में ना पहुंच जाएं। इससे पहले भारत ने बंगाल की खाड़ी में 15 से 17 अक्टूबर 2025 के बीच मिसाइल परीक्षण करने के लिए नोटम जारी किया था। इस दौरान लगभग 1,480 किलोमीटर लंबा इलाका नो-फ्लाई जोन घोषित किया गया था।

मुझे हराने का दम नहीं, चुनाव आयोग अब बीजेपी कमीशन - ममता

कोलकाता। विधानसभा चुनाव अभी कुछ महीने दूर हैं। उससे पहले बंगाल में एसआईआर

रूप से मेरा मुकाबला नहीं कर सकती और न ही मुझे हरा सकती है। उन्होंने कहा कि



प्रक्रिया को लेकर सियासत गरमा गई है। इसी माहौल में मंगलवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बोंगांव में एक सभा की। एसआईआर विरोधी रैली में ममता ने कहा कि भाजपा राजनीतिक

'इलेक्शन कमीशन' अब एक निष्पक्ष संस्था नहीं रह गई है, यह 'बीजेपी कमीशन' बन गई है।

बनर्जी ने सवाल किया कि क्या भाजपा शासित राज्यों में

एसआईआर का आयोजन यह दर्शाता है कि केंद्र सरकार स्वीकार करती है कि वहां श्चुसपैटियाश मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि मैं बीरभूम में पैदा हुई, वरना मुझे भी बांग्लादेशी कहते। अपने भाषण की शुरुआत में ममता ने हेलीकॉप्टर को लेकर भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा, 'मैं हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल नहीं करती। मैं कार से चलती हूँ। राज्य सरकार के पास एक हेलीकॉप्टर है। यह किराए पर है। मुझे सुबह 10 बजे यहाँ आना था। सुबह अचानक पता चला कि हेलीकॉप्टर नहीं जाएगा। चुनाव से पहले ही झगड़ा शुरू हो गया था। लेकिन मेरे लिए यह अच्छा रहा। रास्ते में कई जगह घूसा। लोगों से बातें की।

उन्होंने दावा किया कि मैंने भाजपा से कहा कि मैं जो खेल खेलूंगी, उसमें मुझे कोई छु नहीं सकता। गलियों में घूमने से मेरा संपर्क और भी लोगों से हुआ है। एसआईआर के बारे में उन्होंने कहा कि एसआईआर कराने में तीन साल लगते हैं। 2002 में भी यही हुआ था। हमने कहा था कि कोई भी वैध मतदाता छूटेगा नहीं। अब नियम बदल रहे हैं। आयोग तय कर रहा है कि सरकार में कौन बैठेगा। चुनाव आयोग को निष्पक्ष होना चाहिए। पहले मुझे आधार कार्ड मिला था। वहाँ सबने पैसे खर्च किए। मुझे भी पैसे खर्च करने पड़े। मेरा आधा घंटा बर्बाद हो गया।

एसआईआर के नाम पर नया फर्जीवाड़ा, बीएलओ बनकर मांग रहे हैं ओटीपी

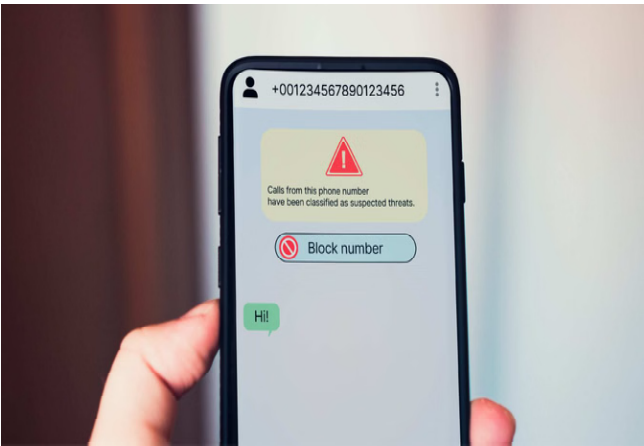
लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने आगाह किया है कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान गणना प्रपत्र भरने के लिए कुछ अराजक तत्वों द्वारा बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) या निर्वाचन विभाग का प्रतिनिधि बनकर मतदाताओं से मोबाइल नंबर पर ओटीपी मांग रहे हैं। गणना प्रपत्र को भरने की प्रक्रिया में बीएलओ द्वारा ओटीपी नहीं मांगा जा रहा है। उन्होंने मतदाताओं को सतर्क एवं जागरूक रहने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियां साइबर ठगी या धोखाधड़ी के अंतर्गत संदेहास्पद हैं। यदि किसी

मतदाता से फोन कॉल, मैसेज या अन्य माध्यम से ओटीपी मांगने का प्रयास किया जाता है तो ऐसी कॉल पर ध्यान न दिया जाए।

कर दें। एसआईआर कार्य में लगे बीएलओ मतदाताओं के घर-घर जाकर गणना प्रपत्र के वितरण एवं संग्रह का कार्य कर

मतदाता स्वयं भी गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को उपलब्ध करा सकते हैं। एसआईआर संबंधी प्रक्रिया में ओटीपी या लिंक की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस प्रकार की अफवाहों एवं धोखाधड़ी से निपटने के लिए जागरूकता अभियान चलाएं तथा ऐसी शिकायत मिलने पर संबंधित एजेंसी को सूचित कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित कराएं। वहीं मतदाताओं से अपील की है कि वह एसआईआर के दौरान सतर्क रहें एवं किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देते हुए अपने बीएलओ से ही संपर्क करें। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही अपने गणना प्रपत्र को भरें।



किसी से ओटीपी साझा नहीं करें तथा ऐसी कॉल को अस्वीकार

रहे हैं। गणना प्रपत्र भरने में भी सहयोग कर रहे हैं।

अजेय अयोध्या से पूरे विश्व को संदेश दे गए मोदी

अयोध्या। अयोध्या। अयोध्या का अर्थ है जिसके साथ युद्ध करना संभव न हो या अजेय...यानी जिसे जीता न सके वह नगर मंगलवार को उस ऐतिहासिक सत्य का पुनः प्रमाण बना।

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी...अर्थात् हे लक्ष्मण! यह लंका सोने से बनी है, फिर भी मुझे अच्छी नहीं लगती, क्योंकि माता और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है। श्रीराम को

के दर्शन से की। एक किलोमीटर के रोड शो के जरिये उन्होंने अयोध्या वासियों का अभिवादन किया। अयोध्या वासियों ने भी पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया।

मोदी ने इन सभी स्थलों पर पूजा कर यही संदेश दिया कि राम मंदिर केवल पत्थरों से बना स्मारक नहीं, यह उन मूल्यों की पुनर्प्रतिष्ठा है, जिनसे भारत अजेय बनता है। अभिजीत मुहूर्त में ध्वजारोहण के मायने

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रवीण शर्मा बताते हैं कि अभिजीत मुहूर्त में ध्वजारोहण केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि यह ब्रह्मांडीय शक्ति के आह्वान का विधान है। इस समय ध्वजा फहराना सनातन धर्म की शाश्वत विजय और लोक कल्याण का संकेत है। मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा फहराना सूर्य की ऊर्जा से जुड़ा है और अभिजीत मुहूर्त सूर्य के प्रभाव का सर्वाधिक उजास लिए होता है, जिससे धर्म और राष्ट्र बलवान होते हैं, यह मान्यता है। ज्योतिष की दृष्टि से इसे धर्म, शासन और संस्कृति के उत्कर्ष का योग भी माना गया है। राजा-महाराजा अपने विजय अभियान या देवालय के महत्वपूर्ण संस्कारों के लिए चुनते थे। पीएम मोदी भी देश के राजा ही हैं, इसलिए मंगलवार का दिन भारत की आध्यात्मिक शक्ति के पुनरुत्थान का संकेत बन गया है।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहाँ पहुंचे और अपने आचरण, संदेश और आध्यात्मिक यात्रा के माध्यम से दुनिया को यह बताया कि अयोध्या केवल एक शहर नहीं, बल्कि अजेय संस्कृति, अमिट आस्था और सनातन आत्मबल का प्रतीक है। लंका विजय के बाद लक्ष्मण से बात करते हुए श्रीराम कहते हैं कि अपि स्वर्णमयी लड़का न मे लक्ष्मण रोचते।

अयोध्या सबसे अधिक प्रिय थी इसलिए लंका विजय कर जब अयोध्या लौटे थे तो सबसे पहले अयोध्या वासियों से मिले। पीएम मोदी की अयोध्या यात्रा ने उसी भाव को जीवंत किया। पीएम वैसे तो इससे पहले पांच बार अयोध्या आ चुके हैं, लेकिन यह यात्रा कुछ अलग थी। पीएम मोदी ने अपनी यात्रा की शुरुआत किसी औपचारिक मंच से नहीं, बल्कि अयोध्या वासियों

इसके बाद प्रधानमंत्री राम मंदिर पहुंचे, जहाँ उन्होंने सबसे पहले सप्त मंडप में दर्शन-पूजन किया। यह मात्र दर्शन नहीं था बल्कि एक गहरा प्रतीकात्मक संदेश था। सप्त मंडप के सातों पात्र (गुरु वशिष्ठ, वाल्मीकि, विश्वामित्र, अगस्त्य, निषादराज, अहिल्या, शबरी) वे सात ध्रुव-तत्व हैं जिन पर भारतीय संस्कृति खड़ी है... गुरु, ज्ञान, तप, करुण, समरसता, स्त्री-शक्ति और निष्कपट भक्ति। पीएम



को सुबह 11 बजे संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित किया जाएगा। यह मौका भारत द्वारा संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक परंपराओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि का प्रतीक है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस समारोह की अध्यक्षता करेंगी। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री और दोनों सदनों के सांसद शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के दौरान, लोकसभा अध्यक्ष और उपराष्ट्रपति सभा को संबोधित करेंगे, जिसके बाद राष्ट्रपति का अभिभाषण होगा। संविधान दिवस समारोह के एक हिस्से के रूप में, सेंट्रल हॉल समारोह के दौरान डिजिटल मोड में कई विमोचन की योजना बनाई गई है।

विधायी विभाग की तरफ से तैयार नौ भाषाओं — मलयालम, मराठी,

में भारत के संविधान का लोकार्पण। संस्कृति मंत्रालय की तरफ से तैयार स्मारक पुस्तिका 'भारत के संविधान से कला और कैलीग्राफी' (हिन्दी संस्करण) का विमोचन। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति की तरफ से संविधान की प्रस्तावना का वाचन भी शामिल होगा। देश भर में, सभी केंद्रीय मंत्रालय/विभाग, उनके अधीनस्थ और संबद्ध कार्यालय, राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारें और स्थानीय निकाय इस अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित करेंगे। आम नागरिक कई माध्यमों से इसमें भाग लेंगे—मायजीओवी.इन और संविधान75.कॉम पर प्रस्तावना का ऑनलाइन वाचन प्रमाणपत्र सुजन और सोशल मीडिया साझाकरण में भागीदारी

ऑनलाइन विजय और ब्लॉग्स निम्ब प्रतियोगिताएं सम्मेलन, सेमिनार, वाद-विवाद, लघु फिल्में, प्रदर्शनियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पोस्टर/पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिताएं, तथा पंचायत से संसद स्तर तक संविधान-विषयक अन्य गतिविधियां। इस प्रकार, संविधान दिवस, 2025 को देश के हर कोने में और विश्व में रहने वाले भारतीयों द्वारा संवैधानिक मूल्यों के राष्ट्रीय उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कार्यक्रम के दौरान भारत के संविधान की प्रस्तावना पढ़ने का नेतृत्व करेंगी। इस कार्यक्रम के दौरान यादगार पुस्तिका 'भारत के संविधान में कला और कैलिग्राफी' भी जारी की जाएगी।

दिल्ली की तर्ज पर बनेगे डिटेंशन सेंटर, बांग्लादेशी-रोहिंग्या के साथ अफ्रीकी भी सदेह के दायरे में

लखनऊ। यूपी में अवैध घुसपैठ को देखते हुए दिल्ली की तर्ज पर प्रदेश में डिटेंशन

सेंटर बनाए जाएंगे। सीएम योगी के निर्देश के बाद यह कार्यवाही शुरू होगी।



महामहिम पेम्पा त्सेरिंग के स्वागत में महापौर ने किया आयोजन

लखनऊ। महापौर सुषमा खर्कवाल ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के राष्ट्रपति पेम्पा त्सेरिंग के स्वागत में समारोह आयोजित किया। इस मौके पर भारत और तिब्बत के बीच मैत्री सहयोग और सांस्कृतिक आदान—प्रदान को और मजबूत करने पर बल दिया गया।

महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि राष्ट्रपति पेम्पा त्सेरिंग का आगमन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम भर नहीं रही बल्कि उन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है जो समाज को जोड़ते हैं और भिन्न विचारधाराओं के बीच समन्वय का मार्ग प्रशस्त करते हैं। इस मौके मौके पर ताशी डेक्की, समन्वयक भारत—तिब्बत समन्वय केंद्र, प्रो. विनीत कंसल निदेशक आईईटी लखनऊ, सुशील तिवारी पम्मी उपनेता, पार्षद दल प्रमुख रूप से मौजूद रहे।



दो बार फेल हुआ कुल्हा प्रत्यारोपण, केजीएमयू में मिली राहत

लखनऊ। निजी अस्पताल में कूल्हे के



दो असफल प्रत्यारोपण के बाद किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के डॉक्टरों ने सफलता हासिल की है। शाहजहांपुर निवासी

आप सांसद संजय सिंह बोले, रोजगार और सामाजिक न्याय यात्रा से पूरा यूपी मथेगे

लखनऊ। आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह ने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में आठ चरणों में यात्रा करेंगे। उन्होंने कहा कि एसआईआर बहुत बड़ा चुनावी घोटाला है। उत्तर प्रदेश में होने वाले पंचायत व विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आम आदमी पार्टी (आप) सांसद व पार्टी प्रभारी संजय सिंह ‘रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो’ यात्रा से पूरा प्रदेश मंथेंगे। अयोध्या से प्रयागराज हुई पदयात्रा इसकी शुरुआत थी। अब यह पदयात्रा पूरे यूपी में आठ चरणों में होगी।पार्टी कार्यालय में मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में संजय ने कहा कि यात्रा का पहला चरण 25 से 29 दिसंबर तक रामपुर, मुरादाबाद और अमरोहा जिलों में होगा। जो लोग पिछली यात्रा में शामिल नहीं हो पाए, वे इस यात्रा से जुड़ें और मिस कॉल नंबर 75000 40004 पर अपना पंजीकरण कराएं। उन्होंने एसआईआर को देश का सबसे बड़ा चुनावी घोटाला करार दिया। पार्टी संसद के शीतकालीन सत्र में पार्टी इसे जोरशोर से उठाएगी। उन्होंने कहा कि यूपी और कई राज्यों में एसआईआर के नाम पर 17 बीएलओ की जान जा चुकी है। 563 लोगों को नोटिस भेजे गए, 181 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की नौकरी खत्म कर दी गई। जब चुनाव डेढ़ साल बाद होने हैं तो सरकार को एक ही महीने में पूरा एसआईआर क्यों चाहिए? क्या यह चुनाव सुधार है या विपक्ष और वंचित समाज को वोटर लिस्ट से साफ करने की साजिश?

उन्होंने कहा कि एसआईआर में यूपी में लाखों वोटरों के नाम लिस्ट से काटे जा रहे हैं। एक ही विधानसभा में 50—60 हजार वोट काटे जा रहे हैं। यहां तक कि सेवानिवृत्त आईएएस विद्यासागर और उनकी पत्नी का नाम भी काट दिया गया। बिहार में 80 लाख नाम हटाए गए।

प्रदेश से विदेशी घुसपैठियों को बाहर करने के लिए दिल्ली की तर्ज पर जिलों में डिटेंशन सेंटर बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद कई जिलों में घुसपैठियों को चिन्हित करने की कवायद शुरू कर दी गई है। उनको वापस भेजने की प्रक्रिया पूरी होने तक डिटेंशन सेंटर में रखने के लिए जगह तलाशी जा रही हैं। शासन के निर्देश पर जिलों में खाली सरकारी इमारतों

, सामुदायिक केंद्र, पुलिस लाइन, थाने आदि चिन्हित किए जा रहे हैं जहां घुसपैठियों को कड़ी सुरक्षा में रखा जा सके। बता दें कि दिल्ली में करीब 18 डिटेंशन सेंटर चल रहे हैं, जिनमें तकरीबन 1500 विदेशी नागरिकों को कड़ी सुरक्षा बंदोबस्त में रखा गया है। इनमें अवैध रूप से सीमा पार करके आए बांग्लादेशी, रोहिंग्या और अफ्रीकी मूल के देशों के नागरिक हैं। बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों द्वारा भारतीय नागरिकता के दस्तावेज बनवा लेने की वजह से उनका सत्यापन कराया जा रहा है। डिटेंशन सेंटरों पर खाने—पीने, इलाज की सुविधा भी मुहैया कराई जाती है। सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम भी रहता है।

किसान के हाथ पैर बांधकर लाठी डंडों से पीटकर हत्या

लखनऊ। ओया गांव निवासी समरजीत उर्फ विनीत (38) की सोमवार रात नलकूप पर सोने के दौरान लाठी—डंडे से पीटकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने से पहले हमलावरों ने विनीत के हाथ—पैर तक रस्सी से बांध दिए थे। घटना के बाद शव



को खेत में फेंककर हमलावर फरार हो गए। फिलहाल घटना को अंजाम देने का कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। इस मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। इनमें से तीन को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

गांव निवासी अमरदीप उर्फ पिकू के मुताबिक उनके छोटे भाई विनीत किसानी खेती करते थे। फसलों की देखभाल के लिए भाई गांव से कुछ दूर स्थित नलकूप पर जाकर ही रात में रहता था। रोज की तरह सोमवार की शाम भाई नलकूप पर सोने गया था। मंगलवार सुबह करीब सात बजे श्रमिक धान की पिटाई करने के लिए खेत पर गए तो वहां विनीत का शव पड़ा देखा। उनके

को खेत में फेंककर हमलावर फरार हो गए। फिलहाल घटना को अंजाम देने का कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। इस मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। इनमें से तीन को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

गांव निवासी अमरदीप उर्फ पिकू के मुताबिक उनके छोटे भाई विनीत किसानी खेती करते थे। फसलों की देखभाल के लिए भाई गांव से कुछ दूर स्थित नलकूप पर जाकर ही रात में रहता था। रोज की तरह सोमवार की शाम भाई नलकूप पर सोने गया था। मंगलवार सुबह करीब सात बजे श्रमिक धान की पिटाई करने के लिए खेत पर गए तो वहां विनीत का शव पड़ा देखा। उनके

केजीएमयू में आर्थोपेडिक सर्जरी विभाग के प्रो.नरेंद्र सिंह कुशवाहा ने बताया कि ये व्यक्ति जून 2025 में फिसलकर गिर गए थे। इसकी वजह से उनके बाएं कूल्हे में फ्रैक्चर हो गया था। इसकी फ्रैक्चर की वहीँ के निजी अस्पताल में दो बार सर्जरी करके इंप्लांट डाला गया। दोनों बार इंप्लांट अपने स्थान सेखिसक गया और सर्जरी फिफल हो गई। इसकी वजह से मरीज का आत्मविश्वास

भी डगमगा गया। दर्द ज्यादा बढ़ने पर घरवाले उन्हें लेकर केजीएमयू आए। यहां उनकी तीसरी बार सर्जरी की गई। सर्जरी सफल रही अब वह अपने पैरों पर खड़े हो पा रहे हैं।

केजीएमयू में आर्थोपेडिक सर्जरी विभाग के प्रो.नरेंद्र सिंह कुशवाहा ने बताया कि ये व्यक्ति जून 2025 में फिसलकर गिर गए थे। इसकी वजह से उनके बाएं कूल्हे में फ्रैक्चर हो गया था। इसकी फ्रैक्चर की वहीँ के निजी अस्पताल में दो बार सर्जरी करके इंप्लांट डाला गया। दोनों बार इंप्लांट अपने स्थान सेखिसक गया और सर्जरी फिफल हो गई। इसकी वजह से मरीज का आत्मविश्वास

भी डगमगा गया। दर्द ज्यादा बढ़ने पर घरवाले उन्हें लेकर केजीएमयू आए। यहां उनकी तीसरी बार सर्जरी की गई। सर्जरी सफल रही अब वह अपने पैरों पर खड़े हो पा रहे हैं।

केजीएमयू में आर्थोपेडिक सर्जरी विभाग के प्रो.नरेंद्र सिंह कुशवाहा ने बताया कि ये व्यक्ति जून 2025 में फिसलकर गिर गए थे। इसकी वजह से उनके बाएं कूल्हे में फ्रैक्चर हो गया था। इसकी फ्रैक्चर की वहीँ के निजी अस्पताल में दो बार सर्जरी करके इंप्लांट डाला गया। दोनों बार इंप्लांट अपने स्थान सेखिसक गया और सर्जरी फिफल हो गई। इसकी वजह से मरीज का आत्मविश्वास

भी डगमगा गया। दर्द ज्यादा बढ़ने पर घरवाले उन्हें लेकर केजीएमयू आए। यहां उनकी तीसरी बार सर्जरी की गई। सर्जरी सफल रही अब वह अपने पैरों पर खड़े हो पा रहे हैं।

तत्पश्चात एफआरआरओ (फॉरेन रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस) के जरिए उनको वापस भेजने की प्रक्रिया की जाती है। तमाम राज्यों में पकड़े गए घुसपैठियों को पश्चिम बंगाल और असम में बीएसएफ की मदद से वापस भेजा जाता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसकी मानक संचालन प्रक्रिया भी सभी राज्यों को भेजी है, जिसके बाद अब यूपी में भी अन्य राज्यों की तरह डिटेंशन सेंटर बनाए जाएंगे। इनके प्रबंधन और सुरक्षा की जिम्मेदारी जिला प्रशासन और पुलिस की होगी। इसके अलावा पकड़े गए घुसपैठियों की जानकारी गृह विभाग को रोजाना देनी होगी।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक जिलों में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिए खासी संख्या में हैं। इसके अलावा एनसीआर के जिलों खासकर नोएडा और गाजियाबाद में अफ्रीकी मूल के देशों से अवैध तरीके से आए नागरिक मौजूद हैं। इनमें से तमाम मादक पदार्थों की तस्करी और साइबर क्राइम में लिप्त हैं। इसी वजह से इस बार ऐसे घुसपैठियों की धरपकड़ कर वापस भेजा जाएगा।

इन केंद्रों में विदेशी नागरिकता रखने वाले भारत में घुसे अवैध व्यक्तियों को रखा जाता है। आवश्यक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने तक वहीं आवास सुनिश्चित करने की व्यवस्था की जाती है। डिटेंशन सेंटर में रखे गए अवैध घुसपैठियों को तय प्रक्रिया के तहत बाद में उनके मूल देश में भेज दिया जाता है।

हाथ—पैर रस्सी से बंधे हैं। सिर से खून बह रहा था। साथ ही मुंह, चेहरे समेत शरीर के अन्य हिस्सों पर भी गंभीर चोट के निशान थे। सूचना पर परिजन व पुलिस भी मौके पर पहुंची।

पुलिस का कहना है कि जिस तरह वारदात को अंजाम दिया गया है, उससे कयास लगाया जा रहा है कि हमलावरों ने पहले किसान के हाथ—पैर रस्सी से बांध दिए होंगे ताकि नींद खुलने पर वह विरोध न कर सके। हमलावर किसी बात को लेकर किसान से कुछ ज्यादा ही चिढ़े लग रहे थे। चंदापुर थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि मृतक विनीत के बड़े भाई अमरदीप की तहरीर पर देवरी गांव निवासी प्रांजुल, शंकर, रामचंद्र और पहरावां गांव निवासी शुभम के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। शुभम फरार है, जबकि तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

किसान की हत्या के मामले की सही वजह अभी तक सामने नहीं आई है। शुरुआती जांच में आपसी रंजिश के साथ ही अन्य कई वजह सामने आ रही हैं, जिसकी वजह से विनीत की हत्या की गई है। ऐसे में पुलिस हर बिंदु के बारे में पड़ताल कर रही है। वारदात के बाद क्षेत्रीय लोगों में दहशत है। अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा ने बताया कि समरजीत उर्फ विनीत की हत्या के मामले में केस दर्ज कर छानबीन की जा रही है। घटना के पीछे आपसी रंजिश समेत कई वजह सामने आ रही हैं। जल्द ही वारदात का खुलासा किया जाएगा।

विनीत की हत्या से परिजनों के आंसू नहीं थम रहे हैं। मृतक विनीत का विवाह नहीं हुआ था। वह खेती करते थे। जबकि बड़े भाई अमरदीप गांव में किराना स्टोर चलाते हैं। छोटा भाई अंकित (30) दिल्ली में नौकरी करता है।

एमओबीसी कोर्स के सफल समापन पर हुई परेड

लखनऊ। मेडिकल ऑफिसर्स बेसिक कोर्स

को कोर्स समापन परेड आयोजित की गई। इसमें 123 अधिकारी शामिल हुए। परेड को सैन्य परंपराओं के साथ आयोजित किया गया। कोर्स समापन परेड की समीक्षा सेना चिकित्सा कोर केंद्र एवं कॉलेज के ऑफिसिएटिंग कमांडेंट मेजर जनरल कंवरजीत सिंह ने की। नौ सप्ताह के इस कोर्स में युवा आर्मुड फोर्सज मेडिकल और डेंटल ऑफिसर्स को इंटेसिव कॉम्बैट मेडिकल सपोर्ट ट्रेनिंग दी गई ताकि वे अपनी ज्यूटी अच्छे से कर सकें और इन युवा

को कोर्स समापन परेड आयोजित की गई। इसमें 123 अधिकारी शामिल हुए। परेड को सैन्य परंपराओं के साथ आयोजित किया गया। कोर्स समापन परेड की समीक्षा सेना चिकित्सा कोर केंद्र एवं कॉलेज के ऑफिसिएटिंग कमांडेंट मेजर जनरल कंवरजीत सिंह ने की। नौ सप्ताह के इस कोर्स में युवा आर्मुड फोर्सज मेडिकल और डेंटल ऑफिसर्स को इंटेसिव कॉम्बैट मेडिकल सपोर्ट ट्रेनिंग दी गई ताकि वे अपनी ज्यूटी अच्छे से कर सकें और इन युवा

को कोर्स समापन परेड आयोजित की गई। इसमें 123 अधिकारी शामिल हुए। परेड को सैन्य परंपराओं के साथ आयोजित किया गया। कोर्स समापन परेड की समीक्षा सेना चिकित्सा कोर केंद्र एवं कॉलेज के ऑफिसिएटिंग कमांडेंट मेजर जनरल कंवरजीत सिंह ने की। नौ सप्ताह के इस कोर्स में युवा आर्मुड फोर्सज मेडिकल और डेंटल ऑफिसर्स को इंटेसिव कॉम्बैट मेडिकल सपोर्ट ट्रेनिंग दी गई ताकि वे अपनी ज्यूटी अच्छे से कर सकें और इन युवा



डॉ. विजय लक्ष्मी और डॉ. अंकित ने जीती विजज प्रतियोगिता

लखनऊ। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में हुई विजज प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार बायोकेमिस्ट्री विभाग की डॉ. विजय लक्ष्मी और माइक्रोबायोलॉजी विभाग के डॉ. अंकित वर्मा ने अपने नाम किया है। यह प्रतियोगिता विश्व एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध जागरूकता सप्ताह के तहत आयोजित हुई। आयोजन अध्यक्ष प्रो. ज्योत्सना अग्रवाल ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

यह प्रतियोगिता डॉ. शिवा वर्मा और डॉ. आकांक्षा गुप्ता की ओर से आयोजित की गई। इससे पहले कमांड अस्पताल की डॉ. नंदिता हाजरा ने वयरस्क और नवजात शिशुओं में सेप्सिस पर बातचीत की। उन्होंने बताया कि एंटीबायोटिक के इस्तेमाल में सावधानी बरतनी चाहिए। ऐसा न करना शिशु के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा हो सकता है। इस मौके पर पीजीआई के प्रो. रंमेई एसके मारक भी मौजूद रहे।

साइबर जालसाजों ने इश्कर के खातों से पार किए 1.50 लाख

लखनऊ। साइबर जालसाजों ने महानगर सेक्टर जे निवासी डॉक्टर संतोष कुमार के बैंक खातों से 1.50 लाख रुपये निकाल लिए। पीडित ने महानगर थाने में आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

डॉक्टर संतोष के मुताबिक 12 नवंबर को उनके पास अनजान नंबर से कॉल आई थी। फोन करने वाले ने खुद को बैंक कर्मी बताया। उसने बैंक खातों से संबंधित जानकारी अपडेट करने की बात कही। फिर उग ने उन्हें बातों में फंसाकर उनसे उनके एसबीआई और पीएनबी के बैंक खातों की जानकारी ले ली। कुछ देर बार एसबीआई के खाते से एक लाख और पीएनबी से 50 हजार रुपये निकल गए। डॉक्टर को ठगी की जानकारी उनके मोबाइल पर आए ट्रांजेक्शन के मेसेज से हुई। पीडित ने तुरंत साइबर सेल में शिकायत की। इसके बाद सोमवार को महानगर थाने में केस दर्ज कराया। इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार मिश्र के मुताबिक मामले की तपतीश साइबर टीम कर रही है।

दो मकानों से लाखों के जेवर चोरी

लखनऊ। मानकनगर के रामप्रसाद खेड़ा निवासी सुजाता यादव के घर से चोरों ने लाखों के जेवर चोरी कर लिए। आरोपी पीड़िता के घर कार से पहुंचे थे। वहीं, चोरों ने गुडंबा निवासी मो. रईस के घर से भी कीमती सामान पार कर दिए। पीड़ितों ने संबंधित थानों में एफआईआर दर्ज कराई है।

सुजाता ने बताया कि सात नवंबर को वह अवंतीबाई महिला अस्पताल में भर्ती थीं। दोपहर करीब ३रु३0 बजे पड़ोसी ने उन्हें कॉल कर घर में चोरी होने की बात कही। सुजाता की सूचना पर जब उनके पति घर पहुंचे तो देखा कि सारे कमरों के ताले टूटे हुए थे। अलमारी के लॉकर भी खुले हुए थे। उसमें रखे लाखों के जेवर और पांच हजार रुपये गायब थे।पीड़िता के पति ने जब घर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे तो पता चला कि कुछ समय पहले उनके घर कार से चार लोग आए थे। इनमें से दो लोगों ने घर में दाखिल होकर चोरी की है। अस्पताल से डिस्चार्ज होने पर पीड़िता ने सोमवार को मानकनगर पुलिस से शिकायत की। थानाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि पीडित से फुटेज मांगे गए हैं। फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जाएगी। उधर, गुडंबा के बेहटा गांव में रहने वाले मो. रईस के मकान से चोरों ने 19 नवंबर की रात तीन सोलर पैनल, इन्वर्टर और कीमती सामान पार कर दिया। पीड़ित को घटना की जानकारी अगले दिन हुई। इंस्पेक्टर प्रभातेष कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक केस दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है।

किसान पथ पर बस और ट्रक में टक्कर जोरदार टक्कर

लखनऊ। लखनऊ के किसान पथ पर बस और ट्रक में टक्कर हो गई। अभी तक नौ यात्रियों के घायल होने की सूचना है। सभी को लोकबन्धु अस्पताल भिजवाया गया है।

राजधानी लखनऊ के किसान पथ पर बस और ट्रक में टक्कर हो गई। दुर्घटना में नौ यात्रियों के घायल होने की सूचना है।

सभी को लोकबन्धु अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बस सवार सुल्तानपुर से इटावा बरात में जा रहे थे।

एनबीआरआई में विज्ञान महोत्सव का हुआ आगाज

लखनऊ। राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई) में मंगलवार को इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल (आईआईएसएफ—2025) के लिए कटेन रेंजर कार्यक्रम आयोजित किया गया। केएन. कोल ब्लॉक में हुए इस आयोजन



में शहर के वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

मुख्य अतिथि विज्ञान भारती अवध प्रांत के ऑर्गनाइजिंग सचिव अंकित राय और आईआईटीआर के चीफ साइंटिस्ट डॉ. रजनीश चतुर्वेदी रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य आगामी आईआईएसएफ—2025, जो छह से नौ दिसंबर तक चंडीगढ़ में होगाकूके प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

एनबीआरआई निदेशक डॉ. अजीत कुमार शासनी ने भारत की वैज्ञानिक परंपरा और संस्थान के शोध योगदान को रेखांकित किया। अंकित राय ने फेस्टिवल की शुरुआत और विज्ञान भारती की भूमिका बताई, जबकि डॉ. चतुर्वेदी ने छात्रों को विज्ञान में उपलब्ध करियर संभावनाओं से परिचित कराया। कार्यक्रम में आईआईएसएफ पर आधारित वीडियो प्रदर्शित किया गया और एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस के 100 से अधिक छात्रों ने एनबीआरआई की प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया।

जी-20 शिखर सम्मेलन में नरेंद्र मोदी के सुझावों की रोशनी

जी-20 शिखर सम्मेलन का उद्घाटन सत्र इस बार जिस गंभीर मुद्दे पर केन्द्रित रहा, वह दुनिया के सामने उभरते खतर्कों की बदलती प्रकृति को स्पष्ट करता है। भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के साथ-साथ ड्रग तस्करी को भी वैश्विक शांति, सुरक्षा और मानव अस्तित्व के लिए उत्तना ही घातक बताया जितना किसी संगठित हिंसा को माना जाता है। उनकी यह चेतावनी केवल कूटनीतिक वक्तव्य नहीं बल्कि सदस्यी वैश्विक वास्तविकाओं का बड़े स्तर की विश्लेषण है। यह तथ्य अब निर्विवाद है कि मादक पदार्थों की तस्करी आतंकवाद को ईंधन प्रदान करने वाला सबसे बड़ा स्रोत बन चुकी है। अबॉर् डॉलर का यह अफै व्यापार केवल अपराध जगत को नहीं बल्कि राष्ट्रों की सुरक्षा, समाज

सम्पादकीय

बिहार के नतीजों के बाद तेज हुई बंगाल में चुनावी सियासत

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा के रिकॉर्ड प्रदर्शन के बाद पश्चिम बंगाल में चुनावी सियासत तेज होने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर पार्टी के तमाम नेताओं ने ३७ बंगाल की बारिश जैसे नारे दिए हैं। लेकिन सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने एक वीडियो के जरिए उसके दावे पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि सपने देखना अच्छी बात है। पार्टी का दावा है कि बिहार के नतीजों का बंगाल पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने बंगाल में बिहार दोहराने के लक्ष्य के साथ प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व और प्रचारियों को सक्रिय कर दिया है। यही वजह है कि नतीजों के अगले दिन ही यहां भाजपा की प्रदेश कोर कमिटी की बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। भाजपा नेताओं को भरोसा है कि पार्टी बंगाल में भी बिहार के नतीजों को दोहरा सकती है। इसलिए पहले के मुकाबले रणनीति में बदलाव किए जा रहे हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, बदली हुई रणनीति के तहत पार्टी युवा तबके के साथ ही रोजगार के लिए पलायन करने वाले प्रवासी मजदूरों को साथ जोड़ने के अलावा राज्य में बड़े पैमाने पर आधारभूत परियोजनाओं और रोजगार के अवसर पैदा करने वाली योजनाओं पर विचार कर रही है।

कोर कमिटी की बैठक में भी इन मुद्दों पर गहन चर्चा की गई और प्रदेश नेताओं से सुझाव मांगे गए कि कहां क्या हो सकता है। पार्टी के एक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि बिहार के चुनावी नतीजों से पार्टी के निचले स्तर के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है।

ममता हर बार चुनाव में स्थानीय मुद्दों के साथ ही लक्ष्मी भंडार जैसी विभिन्न योजनाओं के कारण महिला वोटरों का समर्थन हासिल करती रही है। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव और बीते साल के लोकसभा चुनाव में इन दोनों मुद्दों ने पार्टी को भाजपा की चौतरफा चुनौतियों से निपटने में काफी मदद की थी। लेकिन भाजपा राष्ट्रीय मुद्दों के साथ स्थानीय मुद्दों को जोड़ कर इस बार उनके इस समर्थन की काट की रणनीति बना रही है। पार्टी ने औद्योगिक विकास, बड़े पैमाने पर आर्थिक सुधार के जरिए पूंजी निवेश आकर्षित करने और रोजगार के अवसर पैदा करने जैसे मुद्दे पर जोर देकर ममता को वोट बैंक में संघ लगाने की रणनीति बनाई है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंद्रु अधिकारी का कहना है कि एसआरआर के बाद साफ-सुथरी मतदाता सूची से होने वाले चुनाव में भाजपा की जीत तय है। इलाके के तीन क्षेत्रों को कलिंग (ओडिशा), अंग (बिहार और बंग (बंगाल) के नाम से भी जाना जाता है। हमने कलिंग और अंग जीत लिए हैं, अब बंग की बारी है।

तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष का कहना है कि भाजपा चाहे जो भी दावे करे, यहां चौथी बार भी तृणमूल कांग्रेस ही सरकार बनाएगी। पार्टी को अगली बार कम से कम 250 सीटें मिलेंगी। बंगाल के लोगों ने भाजपा की हिंदुत्व और नफरत की राजनीति को कई बार खारिज कर दिया है।

पार्टी ने केंद्र पर राज्य की महिलाओं के अपमान और उनको

मिलने वाले पैसों को रोकने का अपना पारंपरिक आरोप दोहराया है। पार्टी की वरिष्ठ नेता और मंत्री शशी पांजा ने कहा कि अगले चुनाव में भाजपा को महिलाएं इसका जवाब देंगी। वैसे, तृणमूल कांग्रेस खेमे में बिहार के नतीजों से चिंता या आशंका की बजाय उत्साह है। पार्टी की राय में ममता बनर्जी के महिला सशक्तिकरण के हथियार की नकल कर ही बिहार में भाजपा को कामयाबी मिली है। लेकिन बंगाल में असली के सामने नकल नहीं चलेगा।

पाटी के एक नेता ने बताया कि बिहार के नतीजी को ध्यान में रखते हुए ममता बनर्जी महिलाओं में लोकप्रिय लक्ष्मी भंडार योजना के तहत रकम बढ़ाने के अलावा महिलाओं के हित में कुछ अन्य योजनाएं शुरू करने पर भी विचार कर रही है। लक्ष्मी भंडार के तहत हर महीने सामान्य वर्ग की महिलाओं को एक हजार और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग को 1200 रूपय महीने की रकम मिलती है।

पार्टी के एक प्रमुख नेता ने बताया कि चुनाव से पहले पेश होने वाले अंतरिम बजट में लक्ष्मी भंडार के लिए आवंटन बढ़ाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर बातचीत हो रही है। बिहार चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने साफ कर दिया है कि वो अगले चुनाव में उसके (कांग्रेस के) साथ कोई तालमेल नहीं करेगी। यहां इस बात का जिक्र प्रासंगिक है कि सीटों पर सहमति नहीं बनने की वजह से बीते साल लोकसभा चुनाव में इन दोनों दलों में तालमेल नहीं हो सका था। तुण्मूल के एक नेता ने बताया कि संसद में दोनों दलों के बीच समन्वय जारी रहेगा। लेकिन स्थानीय स्तर पर हम अकेले ही लड़ेंगे। बंगाल में हमें कांग्रेस की कोई जरूरत नहीं है। उनके मुताबिक, बिहार में भाजपा को भले सबसे ज्यादा सीटें मिलें हैं, यह बात समझनी होगी कि पार्टी ने वहां जद(यू) के साथ गठजोड़ किया था। इसलिए अल्पसंख्यकों के भी कुछ वोट उसे मिल गए। लेकिन बंगाल की चुनावी तस्वीर अलग है। राजनीतिक विरोधियों का कहना है कि बिहार के नतीजों के बाद बदले राजनीतिक परिदृश्य में अब यह बात साफ हो गई है कि राज्य में अगले विधानसभा चुनाव में तुण्मूल कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला होगा।

जीवन पर मड़रा रहा एक वैश्विक खतरा है। यह मानना भूल होगी कि ऐसे ट्रैप्स केवल एक महादीपीय तबक सीमित रह सकते हैं। संगठित तस्करों के नेटवर्क इसकी पहुंच दुनिया के किसी भी कोने तक ले जा सकते हैं। यही कारण



है कि मोदी ने चेलाया कि यदि अभी निर्णायक कार्रवाई नहीं हुई, तो यह त्रासदी अन्य देशों में भी फैल सकती है।

इन्स माफिया केवल एक आपराधिक व्यापार नहीं, बल्कि मानव संसम्राज की जड़ों को खोखला करने वाला वैश्विक संकट है।

नशे का कारोबार सीमाओं, कानूनों और नैतिक मूल्यों—तीनों को धत्ता बताकर फल रहा है। यह न केवल युवाओं के भविष्य को निगल रहा है, बल्कि देशों की आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और आर्थिक व्यवस्था को भी कमजोर कर रहा है। इसलिए ड्रग्स माफिया का खतरा अब केवल कानून—व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। दुनिया भर में नशे का अवैध व्यापार एक वैश्वीकाल संगठित नेटवर्क के रूप में विकसित हो चुका है, जिसमें

अफगानिस्तान, मैक्सिको, कोलंबिया, म्यांमार, नाइजीरिया, रूस और यूरोप तथा एशिया के अनेक हिस्सों में ड्रग्स कार्टलों ने शासन प्रणालियों को चुनौती दी है। अनेक जगह तो स्थितियाँ ऐसी बन जाती हैं कि सरकारें या तो इस लड़ाई में कमजोर पड़ जाती हैं या फिर समझौते करने में मजबूर हो जाती हैं। मोदी ने इस पर नियंत्रण के लिये दुनिया को एकजुट होने की आवश्यकता व्यक्त की।

जी—20 देशों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे ड्रग्स के अंधे उत्पादन, वितरण, ऑनलाइन डाल—नेट व्यापार, क्रिप्टोकॉरेंसी के माध्यम से होने वाले भुगतान और सीमा—पार तस्करी पर न केवल नियंत्रण करें बल्कि इसके खिलाफ सशस्त्र रणनीति भी अपनाएँ। मोदी ने इस दिशा में कुछ महत्वपूर्ण सुझाव

हमें के सियासी लेटके भी नाकाम!

सुनावन नतीजों के बाद बिहार के सिंघासी गलियारों में एक लतीफा फैसला पड़ा है। मुकेश सहनी ने तालाब में कूद कर एक मछली पकड़ी, उसे बड़ी हसरत के साथ राहुल गांधी को थमाया, लेकिन राहुल के हाथ से वह मछली चली गई। फलस्वरूप, जो सहनी महागठबंधन के उप मुख्यमंत्री उम्मीदवार थे, उसके हाथ सिर्फ ही लगा है। बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान मुकेश के साथ राहुल गांधी और कन्हैया कुमार तालाब में कूद गए थे। 'सन ऑफ मल्लाह' के साथ दोनों का तालाब में कूदना दरअसल लोक से जुड़ने का सिंघासी टोटका था, लेकिन चुनाव नतीजों से साफ है कि ये सिंघासी टोटके एक बार फिर नाकाम रहे।

राजनीति में प्रतीकों के जरिए लोकसंदेश की स्थापित परंपरा है। शिखर नेता और शीर्ष राजनीतिक परिवार लोगों से अचानक घुलना-मिलना, उनकी संसदाधुला और सादगी के प्रतीक के रूप में स्थापित हो गया है। किसी हस्ती का सामान्य दिखना और आम लोगों जैसे काम करना वोटर्स के समर्थन की गारंटी माना जाता रहा है। यही वजह है कि कांग्रेस के प्रथम परिवार के राहुल जब भी ऐसा करते हैं, उनसे उम्मीदें बढ़ जाती हैं।

यह बात और है कि राजनीति में कामयाबी पाने का यह टोटका कांग्रेस के लिए मुफीद नहीं रहा है।

राहुल बिहार में बीते तीन महीनों में आम आदमी बनने की दो कोशिशें कीं। 'वोटर अधिकांश यात्रा' के दौरान मोजे पहने ली मछली के पानीभरे खेत में वे उत्तर और बाद में चुनाव प्रचार के दौरान मुकेश सहनी के साथ मछली पकड़ने के लिए गंदले तालाब में उतर गए। राहुल फिर ऐसा करते हैं, बौद्धिकों का एक तबका इसे अभूतपूर्व कदम साबित करने लगाता है। बहुत तो इसमें राहुल के दिल की नरमी भी खोज लाते हैं। सोनीपत में जब राहुल ने धान-रोपाई की और ट्रैक्टर चलाया, तब भी ऐसी ही उम्मीदों के पंख लग गए थे। 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दोनों चरणों में भी ऐसे कई सारे नजारे दिखे। तब एक वर्ग की नजर में राहुल की ऐसी कोशिशों से राजनीति बदलने लगी थी। लेकिन तेलंगाना छोड़, राहुल के ऐसे कदमों का कोई चुनावी फायदा नहीं मिला। इस प्रसंग में सवाल उठ सकता है कि प्रधानमंत्री भी तो ऐसे काम अक्सर करते हैं। काशी के गंगा घाट और प्रयागराज कुंभ जैसे कई मौकों और जगहों पर मोदी सफाई कर्मचारियों का पैर धो चुके हैं, उनके साथ भोजन कर चुके हैं, अध्ययन में अचानक गरीबों के घर पहुंचने जाते रहे, किसी परियोजना के पूरा होने के बाद उसमें श्रमस्त्रोत बहा चुके मजदूरों संग खाना खाते रहे हैं। तो उन पर ऐसे सवाल क्यों नहीं उठते। ऐसा नहीं कि सवाल नहीं उठते। वैचारिक खांचे में बंदी राजनीति और समाज में महज विरोध के लिए सवाल उठते रहे हैं। जिनका जवाब बीजेपी की बजाय वोटर देते रहे हैं।

सवाल है कि राहुल के लोकलुभाव कदमों के बावजूद लोक कांग्रेस के साथ क्यों नहीं खड़ा हो रहे? कुछ महीने पहले कांग्रेस के अंदरूनी हलकों में वरिष्ठ नेताओं से पार्टी को उबारने को लेकर राय मांगी गई थी। तब कुछ नेताओं ने अपने घनिष्ठ प्रबुद्ध लोगों की राय मांगी थी। ये पता नहीं कि नेताओं ने पार्टी को सफलता के गुर सुझाए या नहीं। वैसे कांग्रेस के जैसे

दिए—प्रत्येक देश में अथवा वित्तीय
 गतिविधियों पर कड़ा नियंत्रण, आई
 के दुष्प्रयोग को रोकने के लिए
 सामूहिक प्रयास, डेटा साझाकरण
 को बढ़ावा, तकनीकी सहयोग को
 सुदृढ़ करना तथा डिजिटल और
 साइबर अपराधों के विरुद्ध नई



वैश्विक नीति बनाना। एआई का दुरुपयोग आज केवल गलत सूचना फैलाने या साइबर अपराध तक सीमित नहीं रहा। इससे अस्थिरता से दुःख की ऑनलाइन बिक्री, नकली पहचान, एन्क्रिप्टेड चैनल और तस्करों के गुप्त नेटवर्क को चलाने में भी व्यापक उपयोग होने लगा है। इस पर रोक अब सामूहिक प्रयासों के बिना संभव नहीं।

इस वर्ष का जी-20 शिखर सम्मेलन अमेरिका की अनुपस्थिति के बावजूद काफी सफल माना गया। यह सफलता केवल उपस्थिति की संख्या में नहीं बल्कि चर्चाओं की गुणवत्ता, मुद्दों की गंभीरता और लिए गए निर्णयों के ठोस स्वरूप में दिखाई देती। बड़े देशों का एक-दूसरे से समन्वय और वैश्विक चुनौतियों को समन्वित रूप से स्पष्टता इस सम्मेलन की बड़ी उपलब्धि रही। दुनिया का बदलता भू-राजनीतिक वातावरण, यूक्रेन और मध्य-पूर्व जैसे संघर्ष, आर्थिक अनिश्चितताएं और ग्लोबल

जैसे मुद्दे किसी भी देश की सीमाओं में बंधे नहीं रह सकते। इसलिए उनका समाधान भी सीमाओं के परा सहयोग से ही संभव है। मोदी के सुझावों का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि भारत लंबे समय से सीमा-पार आतंकवाद का शिकार रहा है और दक्षिण एशिया में झग-तस्करी का एक बड़ा ट्रान्जिट-पॉइंट भी बनता रहा है। भारत ने तकनीक, कानून और कूटनीति-तीनों स्तरों पर इस खतरे से मुकाबला करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिनसे दुनिया सीख सकती है। भारत का अनुभव बताता है कि झग-नेटवर्क को समाप्त करने के लिए तीन मोर्चों पर काम करना अनिवार्य आवश्यक है—कमी सीमा नियंत्रण, आश्रय-मीडिया एवं एआई आधारित निगरानी तंत्र को मजबूत करना, और युवाओं में नशामुक्ति एवं जागरूकता को बढ़ाना। केवल कानून पर्याप्त

अभ्यासा टाट्क नाकाम!

अंदरूनी हालात हैं, शायद ही कोई नेता सही और वाजिब राय देने का साहस जुटा पाए। सियासी नاکामी से उबारने का नुस्खा वरिष्ठ कांग्रेसियों के पास भी है। चूंकि यह नुस्खा बेहद कड़वा है। उर ये हैं कि कड़वी दवा सुझाना कठिन हो सकता है। त्रिहाजा राय देने से लोग बच रहे हैं।

स्वाधीनता आंदोलन की प्रतिनिधि पार्टी रही कांग्रेस अखिल भारतीय संगठन से लैस है। सत्तावादी राजनीति के दौर में कांग्रेस इस थाती पर गर्व कर सकती है। लेकिन संगठन को गतिशील बनाने वाले सही मुद्दों और लोकमर्म को छुने वाले विचारों से वह सर्वथा दूर है। राहुल उन्हीं मुद्दों को ज्यादा उछालते हैं, जिन्हें उनके वामपंथी सलाहकार सुझाते हैं। बौद्धिक और आकादमिक जगत इससे चाहे जितना भी आकर्षित हो, जमीनी स्तर पर वह अस्वीकार्य हो चुकी है। निजीकरण की कुछ खामियां हैं, लेकिन भूलना नहीं होगा कि निजीकरण ने चमक-दमक भी बढ़ाई है। भले ही एक वर्ग तक निजीकरण की रोशनी नहीं पहुंच सकी है। उस वर्ग का भी समान चमको हो हासिल करना है। वामपंथी वैचारिकी इसे नहीं समझती। वह जाहिर करती रही है कि अतीत की तरह अब भी समूचा देश अंधेरे में डूबा है। वह भूल जाती है कि देश पर सबसे ज्यादा दिनों तक कांग्रेस का ही शासन रहा है। जातिवाद कड़वी सच्चाई है। हजारों साल की परंपरा का एकदम खत्म होना संभव नहीं। कड़वा सच है कि जातिवाद को दूर करने और उससे दूर रहने का दावा करने वाली राजनीति और बौद्धिक भी इनसे अछूते नहीं। उनके अंदरूनी खांचे में जातिवाद कई रूपों में मौजूद है। वैसे जाति और धर्म के संदर्भ में समूचे देश और समाज को एक फॉर्मूले से समझना संभव नहीं। कांग्रेस यही गलती दोहरा रही है। राहुल के सलाहकारों की टीम उन्हें

इसी फॉर्मूले में बार-बार आगे बढ़ने का सुझाव देती है। अब तो योगेंद्र यादव भी राहुल गांधी के बड़े सलाहकार हैं। समाजवादी दिग्गज किशन पटनायक के शिष्य यादव की सोच पर समाजवाद का कम, वामपंथ का असर ज्यादा है।

1999 में एक्जिट पोल को काला जूझ न मानने वाले योगेंद्र को अब बीजेपी की हर जीत में शंका ही नजर आती है। कांग्रेस आलाकमान के तमाम सलाहकार कभी शिक्षा के लालगढ़ की राजनीति के प्रतीक रहे। दुर्भाग्यवश उनकी सामाजिक सोच जमीनी हकीकत की बजाय वामपंथी दर्शन से ज्यादा प्रभावित है। इस टीम के अनुसार ऊंच-नीच और जात-पांत का विचार समूचे देश में एक जैसा है। लेकिन यह अधूरा सच है। समूचा देश ना तो एक तरह से सोंचता है ना ही उसका एक-सा व्यवहार है। शीर्ष नेतृत्व की सलाहकार मंडली अलग-अलग हिस्सों की माटी के रंग, व्यवहार और विचार से कोसों दूर है।

राहुल को इन दिनों अपनी दादी इंदिरा गांधी की याद खूब आई है। लेकिन वे इंदिरा के कई गुणों को अब तक समझ नहीं पाए हैं। समाज को लेकर इंदिरा की समझ गहरी थी। यही वजह है कि वक्त और इलाकों की परंपरा के मुताबिक, किसी इलाके में ठेट बहू बन जाती थीं, तो किसी इलाके में आधुनिक महिला। कुछ इलाकों में वे अपने सिर पल्लू रखती थीं तो कुछ इलाकों में नहीं। आज इंदिरा रहतीं और वैसे करतीं तो शायद कांग्रेस के मौजूदा सिपहसालारों की नजर में वे दक्षिणानूस मान ली जातीं।

नहीं। सामाजिक-मानसिक जागरूकता भी उतनी ही जरूरी है।

जो—20 सम्मेलन में प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की सक्रिय, प्रभावशाली और केंद्रीय उपस्थिति ने एक बार फिर सिद्ध किया कि वे आज वैश्विक परिदृश्य के सबसे सशक्त, निर्णायक और भरोसेमंद नेताओं में अग्रणी हैं। अमेरिका की अनुपस्थिति के बावजूद विश्व मंच पर नेतृत्व का जो शून्य बन सकता था, उसे मोदी ने अपने संयमित, दूरदर्शी और कूटनीतिक कश्मिसे भर दिया। दृढ़—तत्करी, आतंकवाद, एआई के दुरुपयोग, वैश्विक अर्थव्यवस्था, ग्लोबल साउथ और मानव—कल्याण जैसे विविध मुद्दों पर उनकी स्पष्ट दृष्टि और व्यावहारिक समाधान ने दुनिया को यह विश्वास दिलाया कि भारत न केवल उभरती शक्ति है बल्कि स्थिर और सकारात्मक दिशा दिखाने वाला पथ—प्रदर्शक भी है। उनकी उपस्थिति ने यह भी रेखांकित किया कि बदलती वैश्विक राजनीति में जहां कई राष्ट्र आंतरिक संघर्षों और नीतिगत अनिश्चितताओं से जूझ रहे हैं, वहीं भारत एक विश्वसनीय, स्थिर और दूरदर्शी नेतृत्व प्रस्तुत कर रहा है। मोदी का यह उभार केवल भारत की प्रतिष्ठा को ऊंचा नहीं उठाता बल्कि दुनिया को एक ऐसे नेतृत्व का विकल्प देता है जो विकास, शांति, सुरक्षा और वैश्विक सहयोग के नए मॉडल को आगे बढ़ा सकता है और यही आज की दुनिया के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की “एकात्म मानववाद” के दर्शनशास्त्र को वैश्विक विकास के भविष्य में महत्वपूर्ण बताते हुए दुनिया से इसे अपनाने की अपील की। मोदी ने पारंपरिक ज्ञान, स्वास्थ्य क्षेत्र, क्रिटिकल मिनरल्स, सैटेलाइट डेटा एक्सेस, अफ्रीका में क्षमता निर्माण और ड्रग-टेरर नेटवर्क के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का प्रस्ताव रखा। उनका कहना था कि इससे दीर्घकालिक शांति, मजबूती और सतत विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के अर्थ यक्षता की प्रशंसा की, जिसने कौशल आधारित प्रवासन, पर्यटन, खाद्य सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल अर्थव्यवस्था, प्रवाचार और महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण नगति की है। उन्होंने यह भी बताया कि नई दिल्ली जी-20 शिखर सम्मेलन में लिए गए कई ऐतिहासिक निर्णयों पर आगे कार्य हो रहा है। जी-20 शिखर सम्मेलन का संकेत स्पष्ट है: दुनिया अब नए खतरे पहचान रही है और उन पर सामूहिक कार्रवाई के लिए तैयार भी हो रही है। आतंकवाद और ड्रग-तस्करी के गहरे रिश्ते को तोड़ना वैश्विक शांति के लिए अनिवार्य है। यदि आर्थिक, स्वास्थ्य और सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षित समाज बनाना है, तो ड्रग-पर नियंत्रण करना ही होगा। दुनिया की बड़ती असुरक्षा का मुकाबला केवल हथियारों से नहीं, बल्कि जागरूकता, संयम, शिक्षा और संवेदनशीलता से होगा। जब तक हम नशे को इस वैश्विक खतरे को एक सामूहिक लड़ाई न मानें, तब तक सुरक्षा केवल एक भ्रम बनी रहेगी। समाज को नशे के खिलाफ खड़ा करना आज समय की बड़ी मांग है—क्योंकि यह केवल एक अपराध को खिलाफ संघर्ष नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य देने का संकल्प है।

आज का राशिफल

मेघ राशिफल—
मेघ राशि वालों आज विद्यार्थियों को सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी लेकिन सफलता जरूर मिलेगी। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात हो सकती है।

वृष राशिफल—
आज अपने कार्य पर ध्यान लगाएंगे तो आय में वृद्धि होगी, कठिन परिश्रम ही आपकी सफलता की चाबी है। वित्तीय मामलों से जुड़े फैसले कुछ समय के लिए टाल दें।

आज आपके परिवार के सदस्यों को आनंद देना और एक साथ बँधे रखना आपके लिये थोड़ा मुश्किल होगा, लेकिन आप सफल हो जाओगे। किसी के मनोबल और वास्तविक सहयोग के बिना परिस्थिति का सामना करना आपके हित होगा।

आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कई तरह की व्यक्तिगत गतिविधियों में ही दिन व्यतीत हो जाएगा। आज आपका भाग्य आपके साथ है, कार्य स्थल पर प्रमोशन या प्रशंसा मिलने के आसार हैं, व्यापार में नई संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं।

आज लंबे समय से जिस परीक्षा या टेस्ट के नतीजों का आप इंतजार कर रहे थे, वो आज आपको मिल सकता है, नतीजे आपके पक्ष में ही होंगे। जाँब चेंज करने का प्रयास न करें, नौकरी में स्थानान्तरण की सूचना मिल सकती है।

आज कोई अच्छी खबर चित्त प्रसन्न कर देगी। किसी लाभकारी योजना का मसौदा बनेगा। किसी विशिष्ट अध्ययन में समय व्यतीत होगा। आनन्द की प्राप्ति होगी। आपका वक्तव्य कौशल कई सफलता का सूत्रपात करेगा।

तुला राशिफल—
आज रुका हुआ धन प्राप्त होगा। संतान से भी सुख प्राप्त होगा। आपके आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपके करियर में संतुष्टि मिलेगी। विदेश से सम्पर्क लाभ प्रदान करेगा। स्वभाव का रूखापन आपके विरोधियों की संख्या में इजाफा करेगा।

वृश्चिक राशिफल—
आज करियर में प्रदर्शन सुधारने का प्रयास रंग लायेगा।
कोई वादा उम्मीद जगायेगा। मौलिक विचार नया द्वार खोलेगा।
आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि कारक होगा। होसले को उड़ान मिलेगी।
केसी की सहायता से कर्ज से मुक्ति की राह निकलेगी।

धनु राशिफल—
 धनु राशि वालों आज विनम्रता से लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा। किसी पुराने निवेश की अच्छी कीमत मिलेगी। किसी पुराने मित्र से सम्पर्क उत्साह भर देगा। सेहत का ध्यान रखें।
 ब्राह्म आपको अनुकूल दिन का आनंद मिलेगा,

मकर राशि—
मकर राशि वालो आज आपके भाग्य का पूरा साथ आपको प्राप्त होगा। जो जातक नौकरी परिवर्तन के बारे में सोच रहे हैं उनके लिए समय अनुकूल रहेगा। उपहार व सम्मान में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा।

कुम्भ राशिफल—
कुम्भ राशि वालों आज आप काफी ऊर्जावान और अपने जीवन के दो क्षेत्रों में सक्रिय खोज में महसूस होगा। जीवन में अपनी प्रगति के विषय में सभी मामलों में एक नई चमक होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।

मीन राशिफल—
मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आप बिजनेस में लाभ लेने के लिए आपको किसी की मदद लेनी पड़ेगी। साथ ही आज आपको ग़द-विवाद से दूर रहना होगा ताकि आप अपना मन काम में लगा सकें। आज आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा।

रैगिंग: “तिसरी आंख’ में कैद हुए 8 सीनियर....गए थे हॉस्टल

गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में रैगिंग के मामले में आठ सीनियर छात्रों के नाम सामने आए हैं। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज से जांच एंटी रैगिंग स्क्वॉड टीम ने इन छात्रों को चिन्हित किया है। इनमें दो छात्र इंटरनशिप कर रहे हैं। टीम की जांच में पता चला है कि एमबीबीएस फर्सट ईयर बैच से रैगिंग लेने ये छात्र उनके हॉस्टल में गए थे।

मामले की जांच अभी चल रही है। रिपोर्ट आने के बाद मेडिकल कॉलेज प्रशासन इन छात्रों के खिलाफ कार्रवाई के लिए यूजीसी को पत्र लिखेगा। 13 नवंबर 2025 को किसी अज्ञात व्यक्ति ने ईमेल के माध्यम से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को शिकायत भेजी थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि राजेंद्र हॉस्टल में फर्सट ईयर एमबीबीएस छात्रों से रैगिंग की जा रही है। शिकायत के आधार पर यूजीसी ने कॉलेज प्रशासन से रिपोर्ट मांगी थी। इसके बाद से कॉलेज प्रशासन और एंटी रैगिंग स्क्वॉड के सदस्य सक्रिय हो गए हैं।

12 सदस्यीय टीम ने जांच शुरू कर दी।एंटी रैगिंग स्क्वॉड में नियुक्त शिक्षकों ने राजेंद्र हॉस्टल का निरीक्षण किया और सीसीटीवी फुटेज खंगालनी शुरू कर दी। इसी हॉस्टल में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र रहते हैं। जांच के दौरान हॉस्टल में रहने वाले कई एमबीबीएस छात्रों से पूछताछ की गई।

जांच में टीम को पता चला कि सीनियर छात्रों ने फर्सट ईयर स्टूडेंट्स से परिचय के नाम पर अनुचित सवाल पूछे थे और मौखिक दबाव बनाने की कोशिश की थी। अब सीनियर छात्रों के फोटो और फुटेज की पहचान जूनियर छात्रों से कराई जाएगी।

उसमें जिसकी पहचान जूनियर छात्र करेंगे, उसके खिलाफ कार्रवाई तय है। कॉलेज प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि रैगिंग जैसी गतिविधि किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिसमें निलंबन से लेकर नामांकन रद्द करने तक की कार्रवाई शामिल हो सकती है।

गोरखपुर में दूसरी शादी करने जा रहा था युवक, पत्नी ने रोका- मचा हंगामा

गोरखपुर। थाना क्षेत्र के नरौली गांव में रविवार को दूसरी शादी रचाने पहुंचे बशारतपुर निवासी युवक की पहली पत्नी अचानक पुलिस लेकर मौके पर पहुंच गई। जयमाला से ठीक पहले स्टेज पर पहुंचे दूल्हा-दुल्हन को देखकर पहली पत्नी भड़क उठी और हंगामा करने लगी। कुछ ही देर में शादी समारोह अफरा-तफरी के माहौल में बदल गया।

जानकारी के अनुसार संतकबीरनगर जिले के धनघटा थाना क्षेत्र की रहने वाली पीड़िता की शादी वर्ष 2020 में युवक से हुई थी। पीड़िता का आरोप है कि पति नशे का आदी था और आए दिन मारपीट करता था। वर्ष 2021 में उसने पति और ससुर के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कराया था, जिसके बाद से वह मायके में रह रही थी।

इधर, युवक और उसके पिता ने नरौली गांव की एक युवती को शादी का झांसा दिया और रविवार को बरातियों के साथ शादी रचाने पहुंच गए। द्वारपूजा और स्वागत–सत्कार के बाद जैसे ही स्टेज पर जयमाला की रश्म शुरू होने वाली थी, पहली पत्नी पुलिस के साथ पहुंचकर दूल्हे का विरोध करने लगी।

हंगामा बढ़ते ही लड़की पक्ष के लोग सहम गए और आक्रोश में आकर युवक तथा उसके पिता को बंधक बना लिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पिता-पुत्र को थाने ले गई। दोनों युवतियां ने युवक पर झांसा देकर दूसरी शादी करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है।

वहीं, लड़की पक्ष ने शादी में हुए खर्च का हिसाब मांगना शुरू कर दिया है। इस मामले में सहजनवां थानाध्यक्ष महेश कुमार चौबे ने बताया कि दोनों पक्ष विवाह में हुए खर्चों का हिसाब कर रहे हैं। पुलिस तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

गोरखपुर खिचड़ी मेला: मेले से जुड़े सभी कार्य 15 दिसंबर तक करवाएं पूरा

गोरखपुर। कमिश्नर अनिल ढींगरा ने सोमवार को गोरखनाथ मंदिर में लगने वाले खिचड़ी मेले की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न विभागों को निर्देश दिया कि मेले से जुड़े सभी कार्य 15 दिसंबर तक पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने मेले में आग से सुरक्षा के विशेष इंतजाम करने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि खिचड़ी का मेला इस क्षेत्र का सबसे बड़ा मेला होता है जिसको लेकर पार्किंग व्यवस्था, अलाव व सुरक्षा के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मेला क्षेत्र की निगरानी सीसीटीवी से भी करायी जाए इसके साथ ही पुलिस भी जगह–जगह तैनात रहे। साथ ही महिलाओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में महिला पुलिस की तैनाती की जाए।

नगर निगम की ओर से अस्थायी शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था रहे। चिकित्सा विभाग अस्थायी अस्पताल के साथ जगह–जगह पर एंबुलेंस तैनात रखे। विद्युत विभाग के अिाकारियों को निर्देश दिया कि विभिन्न स्टालों की ओर से प्रयोग की जा रही विद्युत वायरिंग की भी जांच कर लें जिससे कोई घटना न होने पाए। उन्होंने निर्देश दिया कि नालियों को कवर किया जाये।

इस अवसर पर जिलाधिकारी दीपक मिणा, डीआईजी एस चन्पा,एसएसपी राजकरन नैयर सहित विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे।

15 दिन इलाज कर छह लाख वसूल

गोरखपुर। देवरिया बाईपास स्थित एक निजी अस्पताल पर घायल मरीज के परिजनों से 15 दिनों के इलाज के नाम पर छह लाख रुपये वसूलने का आरोप लगा है। यही नहीं मरीज की हालत बिगड़ने पर अस्पताल प्रशासन ने उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इसके बाद परिजनों ने बीआरडी चौकी पहुंचकर निजी अस्पताल और प्राइवेट एंबुलेंस चालक पर कार्रवाई की मांग की है।

कुशीनगर जिले के पडरौना थाना क्षेत्र के बेलवा जंगल कटनवार निवासी सत्येंद्र 8 नवंबर को सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सिर में गंभीर चोटें लगने के कारण पडरौना में सरकारी अस्पताल ले गए। उसी दिन बीआरडी मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। घायल के भाई सोनू के अनुसार, वहां सरकारी एंबुलेंस आने में देरी हो रही थी तभी उन्हें एक निजी एंबुलेंस वाला मिला।

एंबुलेंस चालक ने बेहतर इलाज का हवाला देकर सत्येंद्र को गोरखपुर-देवरिया बाईपास स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया। यहां करीब 15 दिनों तक चले इलाज, दवाओं और दो ऑपरेशन के नाम पर अस्पताल प्रशासन ने लगभग छह लाख रुपये वसूल लिए। परिजनों को रुपये की व्यवस्था के लिए अपनी जमीन तक गिरवी रखनी पड़ी।

गोरखपुर। यूपी के गोरखपुर स्थित कैंपियरगंज थानाक्षेत्र के भरोहियां ग्राम पंचायत में एक ऐसी घटना सामने आई जिसने गांव में ही नहीं, सोशल मीडिया पर भी भारी आक्रोश पैदा कर दिया। जौनपुर वृद्धाश्रम में रह रही शोभा देवी (65) की तबीयत बिगड़ने पर मौत हो गई। लेकिन जब सूचना उनके बड़े बेटे को दी गई तो उसने मां का शव घर लाने से मना कर दिया। कारण बताया, घर में बेटे की शादी है, लाश आई तो अपशकुन हो जाएगा। उसने यहां तक कह दिया कि शव को चार दिन फ्रीजर में रख दिया जाए, शादी के बाद आकर दाह संस्कार कर देंगे।

यह सुनकर मृतका के पति भुआल गुप्ता का दिल टूट गया। वह अपनी पत्नी की अंतिम इच्छा पूरी कराने के लिए जौनपुर से गोरखपुर तक शव लेकर पहुंचे, लेकिन यहां भी बड़े बेटे ने दरवाजा नहीं खोला। इसके बाद गांव के लोगों और रिश्तेदारों ने



किनारे मिट्टी में दफना दिया गया।

यहीं से बुजुर्ग पिता की पीड़ा फूट पड़ी। रोते हुए वह बार–बार कहते रहे, श्मेरी पत्नी हिंदू रीति रिवाज से विदा होने की हकदार थी। उसे जला भी नहीं पाए। उसे मिट्टी में दफना दिया गया, वहां कीड़े खा जाएंगे़।र उन्हें संभालना लोगों के लिए मुश्किल हो गया।

भुआल गुप्ता और उनकी पत्नी पिछले कई महीनों से जौनपुर

के वृद्धाश्रम में रह रहे थे। बड़े बेटे ने घर से निकाल दिया था।



संस्था के लोगों ने इलाज, रहने और खाने की व्यवस्था की थी। पति–पत्नी कभी–कभी छोटे बेटे से फोन पर बात भी कर लेते थे। लेकिन मौत के बाद भी हालात नहीं बदले।

गांव में लोग इस घटना पर गुस्से में हैं। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं। कई लोगों ने शोभा देवी के अंतिम दिनों के वीडियो व तस्वीरें भी शेयर की हैं। अब गांव के पंडित ने परामर्श दिया

चचेरी बहन की डोली उठने से पहले उठी शिवानी की अर्धी

गोरखपुर। गोरखपुर के झंगहा थाना क्षेत्र के जंगल रसूलपुर नंबर दो स्थित लक्ष्मीपुर गांव में चचेरी बहन की शादी में शामिल होने ससुराल से आई शिवानी (20) की रविवार की देर रात गला रेतकर हत्या कर दी गई। शिवानी की आठ महीने पहले देवरिया जिले के रुद्रपुर क्षेत्र के अवस्थी गांव में शादी हुई थी।

गोरखपुर में चचेरी बहन की शादी की खुशियों के बीच रविवार की देर रात लक्ष्मीपुर गांव मातम में बदल गया। शादी का संगीत, रंग–बिरंगी रोशनियां और मेहमानों की भीड़ के बीच किसी ने सोचा भी नहीं था कि डोली उठने से पहले ही 20 वर्षीय नवविवाहिता शिवानी की अर्धी उठ जाएगी। बाथरूम में खून से लथपथ उसकी लाश मिलने के बाद पूरा गांव चीख–पुकार से गूंज उठा। बीते 9 मई को ब्याही गई शिवानी की बेरहमी से गला रेतकर हत्या ने सभी को झकझोर दिया।

शादी समारोह गांव से लगभग 200 मीटर दूर स्थित एक नए घर में संपन्न हो रहा था। रविवार रात जयमाल कार्यक्रम के बाद शिवानी स्टेज से उतरकर घर चली गई थी। देर रात जब उसकी मां नोहरी देवी घर पहुंचीं तो वह गायब मिली। बड़ी बेटी अन्नू ने बताया कि शिवानी तो घर आई थी, लेकिन इसके बाद वापस शादी में नहीं पहुंची।

परिजनों ने तलाश शुरू की तो घर के पास स्थित बाथरूम के दरवाजे के नीचे से उसका हाथ दिखाई दिया। अंदर देखा तो शिवानी का शव खून से लथपथ पड़ा था। उसके गले पर गहरा कट का निशान था। शरीर पर कई खरोंच व चोट के निशान मिले, जो संघर्ष की ओर इशारा कर रहे थे।

कटेनर की विशेष केबिन में तस्करों ने छिपाया था 6.35 विक्टल गांजा

गोरखपुर। मुखबिर की सूचना पर रविवार को एसटीएफ गोरखपुर यूनिट ने सोनौली बॉर्डर से कटेनर का पीछा करना शुरू किया। लगभग 100 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद शाम को चौरीचौरा में घेराबंदी कर कटेनर और उसके साथ चल रही एक स्कार्पियो को रोक लिया। तलाशी में कटेनर के केबिन के ऊपर हुड के नीचे बने विशेष प्रकार की केबिन बनाई गई थी। चौरीचौरा थाना क्षेत्र के दुबियारी पुल के पास रविवार रात पकड़े गए कटेनर की विशेष कैविटी (केबिन) से एसटीएफ गोरखपुर ने 6.35 विक्टल गांजा बरामद किया। साथ ही टीम ने पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है।

उनकी पहचान चालक सुनील राय निवासी पश्चिमी चंपारण बिहार, जितेंद्र यादव व राजू



यादव निवासी मोतिहारी बिहार, नेपाल के नवराज कुलश्रेष्ठ और बिहार निवासी राजन तिवारी के रूप में हुई। सभी आरोपियों को चौरीचौरा थाने की पुलिस को सौंपा गया है। आरोपी नेपाल से गांजा लेकर बिहार जा रहे थे।

मुखबिर की सूचना पर रविवार को एसटीएफ गोरखपुर यूनिट ने सोनौली बॉर्डर से कंटेनर का पीछा करना शुरू किया। लगभग 100 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद शाम को चौरीचौरा में घेराबंदी कर कंटेनर और उसके साथ चल रही एक स्कार्पियो को रोक लिया। तलाशी में कंटेनर के केबिन के ऊपर हुड के नीचे बने विशेष प्रकार की केबिन बनाई गई थी।

इसमें 41 पैकेटों में भरा 635.5 किलो गांजा मिला। स्कार्पियो से भी कुछ मात्रा में गांजा, एक नेपाल का नंबर प्लेट, सात मोबाइल, तीन ड्राइविंग लाइसेंस, भारतीय व नेपाली मुद्रा और पैन कार्ड बरामद हुआ। गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये आंकी गई है।

एसटीएफ प्रभारी सत्य प्रकाश सिंह के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि नेपाल से भारी मात्रा में गांजा लेकर एक कंटेनर बिहार की ओर जा रहा है। सूचना मिलते ही एसटीएफ टीम सक्रिय हुई और कंटेनर की तलाश में सोनौली बॉर्डर से ही निगरानी शुरू कर दी।

चौरीचौरा के दुबियारी पुल के पास पुलिस और एसटीएफ ने संयुक्त अभियान चलाकर कंटेनर को रोक लिया। उसके पीछे चल रही स्कार्पियो को भी कब्जे में ले लिया। बरामद गांजा नेपाल से बिहार ले जाया जा रहा था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में कई अहम जानकारियां मिली हैं।

जिसके आधार पर एसटीएफ इस गिरोह के अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

है कि आटे का पुतला बनाकर वैदिक प्रक्रिया से दाह संस्कार किया जाए, ताकि अंतिम संस्कार की धार्मिक पूर्णता हो सके।

दूसरी ओर बड़े बेटे संजय ने कहा कि पिता उधारी में फँसले लेते थे और फिर विवाद होता था। उनको रोका तो वो नाराज होकर घर छोड़कर चले गए थे। घर में शादी के चलते शव को चार दिन जीप फ्रीजर में रखने के लिए कहा था। कहा था कि चार दिन बाद अंतिम संस्कार कर देंगे।



ससुराल से आई शिवानी (20) की रविवार की देर रात गला रेतकर हत्या कर दी गई। शिवानी की आठ महीने पहले देवरिया जिले के रुद्रपुर क्षेत्र के अवस्थी गांव में शादी हुई थी।

उसका शव घर के पास बने टॉयलेट में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। एसपी नार्थ के नेतृत्व में फॉरेंसिक और डॉंग स्क्वॉड टीम ने साक्ष्य जुटाए। जंगल रसूलपुर नंबर दो निवासी प्राथमिक विद्यालय की रसोइया नोहरी देवी ने आठ माह पहले अपनी बेटी शिवानी की शादी देवरिया के रुद्रपुर अवस्थी गांव निवासी भीम निषाद से की थी। नोहरी ने बताया कि तीन दिन पूर्व शिवानी चचेरी बहन अमिता की शादी में शामिल होने ससुराल से आई थी। रविवार की रात घर से करीब दो सौ मीटर दूर जयमाल का कार्यक्रम चल रहा था। इसी बीच शिवानी स्टेज से उतरकर चली गई।

देर रात जब नोहरी घर पहुंचीं तो शिवानी वहां नहीं मिली। बड़ी बेटी से पूछताछ करने पर पता चला कि वह काफी पहले ही घर आ गई थी। परिजनों ने तलाश शुरू की तो घर के पास बने टॉयलेट के दरवाजे के नीचे से हाथ दिखा। दरवाजा खोला गया तो खून से लथपथ शिवानी की लाश पड़ी मिली। धारदार हथियार से उसका गला रेता गया था। शिवानी की लाश मिलने की जानकारी मिलते ही घर में हड़कंप मच गया। सूचना पर कुछ ही देर में एसपी नार्थ ज्ञानेंद्र, थाना पुलिस, फॉरेंसिक व डॉंग स्क्वॉड टीम पहुंच गई।

रेलवे पेंशनरों के लिए आयोजित की गई कार्यशाला

गोरखपुर। सेवानिवृत्त रेलवे पेंशनरों की सुविधा के लिए रेलवे बोर्ड के राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण–पत्र (डीएलसी) 4.0 अभियान के तहत सोमवार को गोरखपुर मुख्यालय के कार्मिक विभाग सभाकक्ष में मुख्य कार्मिक अधिकारी मनोज कुमार की अध्यक्षता में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मनोज कुमार ने बताया कि भारत सरकार के निर्देश पर पूरे देश में डिजिटल जीवन प्रमाण–पत्र अभियान संचालित किया जा रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे में अधिकांश पेंशनरों का डिजिटल जीवन प्रमाण–पत्र बन चुका है। शेष बचे पेंशनरों का प्रमाण–पत्र भी शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

यूपी में मां-बेटी का कत्ल

गोरखपुर। गोरखपुर के शाहपुर थाना इलाके के घोषीपुरवा में हथौड़े से सिर कुंचकर मां–बेटी की हत्या कर दी गई। शांति देवी (75) और उनकी बेटी विमला जायसवाल (55) सोमवार की रात अलग–अलग कमरों में मृत मां–बेटी का शव पड़ा मिला। मिलीं। विमला के शव के पास से खून से सना हथौड़ा बरामद हुआ है। फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे एसएसपी राज करन नय्यर ने भी घटनास्थल



की जांच की। वारदात के पीछे वजह ई–रिक्शा खड़ा करने का विवाद बताया जा रहा है। कारखाना गेट पर चाय की दुकान लगाने वाले घोषीपुरवा निवासी रामप्रवेश जायसवाल की 30 साल पहले मौत हो चुकी है। बड़ी बेटी विमला पास के रमा फर्नीचर में बतौर सेल्सगर्ल काम करके घर का खर्च चलाती थी।

सोमवार को काम पर न पहुंचने पर दुकान के मालिक ने विमला के मोबाइल पर कॉल की। कॉल रिसीव न होने पर घर पहुंचे। काफी देर तक आवाज लगाने के बाद भी दरवाजा न

खुलने पर उन्होंने वार्ड के पार्श्व के पति मंता लाल को दी। इसके बाद उन्होंने शाहपुर थाना प्रभारी नीरज राय को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो अलग–अलग कमरे में मां–बेटी का शव पड़ा मिला। पुलिस के अनुसार, रविवार शाम ई–रिक्शा खड़ा करने को लेकर विमला का पड़ोसी से विवाद हुआ था। पड़ोसी घर से भागा हुआ है इसलिए उस पर शक

के परिसर में एक बाइक खड़ी मिली है। जांच में जुटी फॉरेंसिक टीम को गैस चूल्हे पर उबला दूध मिला। इससे अनुमान है कि रात में मां–बेटी सामान्य दिनचर्या में थीं।

बाहर से भोजन भी मंगाया गया था। यानी वारदात रात के 8 से 10 बजे के बीच हुई। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो मकान में एक किराएदार संघ या मौजूद थी। घासी कटरा की रहने वाली संघ्या दो बच्चों के साथ रहती है और उसके पति राज सिंह प्राइवेट नौकरी करते हैं। वारदात के समय वह अपने कमरे में मौजूद थी, लेकिन उसने भनक तक नहीं लगी।

मौके पर पहुंची डॉंग स्क्वायड की टीम का खोजी कुत्ता टोनी घटनास्थल से 100 मीटर दूर ई रिक्शा तक पहुंचा। इसके बाद वापस 60 मीटर दूर स्थित पेट्रोल पंप पर गया फिर वापस लौट आया। पुलिस ई रिक्शा चालक समेत कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

जिस मकान में मां–बेटी की हत्या हुई। उस गली में आठ मकान हैं। खास बात यह है कि किसी भी मकान में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। यहीं नही गली आगे जाकर बंद भी हो जाती है। ऐसे में हत्यारे की तलाश

मताधिकार के लिए एसआईआर फॉर्म भरना जरूरी, न करें लापरवाही

बहराइच। चुनाव में मतदान का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए हर पात्र नागरिक को समय पर एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) फॉर्म भरना अनिवार्य है। इसे गंभीरता से न लेने पर आप मतदान के अधिकार से वंचित हो सकते हैं।



जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने बताया कि अक्सर लोग लापरवाही के कारण फॉर्म नहीं भरते और चुनाव के समय पता चलता है कि वे मतदान से वंचित रह गए। इसलिए समय रहते फॉर्म भरने में कोताही न बरतें और जरूरत पड़ने पर बीएलओ से सहायता लें।

उन्होंने कहा कि मतदान केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा ही नहीं, बल्कि हर नागरिक का नैतिक दायित्व भी है। ऐसे में यह जिम्मेदारी भी नागरिकों की है कि वे समय पर अपने दस्तावेज पूरे रखें। एसआईआर फॉर्म भरना एक सरल प्रक्रिया है, लेकिन इसे गंभीरता से न लेने पर आप मतदान के अधिकार से वंचित हो सकते हैं। डीएम ने कहा कि वे अपने मोहल्ले में नियुक्त बीएलओ से संपर्क कर फॉर्म भरें और आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराएं, जिससे समय पर उनका नाम सूची में जोड़ा जाए।

जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने बताया कि 4 दिसंबर तक अनिवार्य रूप से एसआईआर फॉर्म सभी को भरना है। सिर्फ 10 दिन शेष हैं। जिन लोगों का नाम वोटर लिस्ट में किसी कारण से शामिल नहीं हो पाया है, वे इस अंतिम तिथि से पहले फॉर्म जमा कर अपना नाम अवश्य दर्ज कराएं।

तेज रफ्तार दो बाइक की भिड़ंत में एक की मौत, तीन घायल

फखरपुर। लखनऊदूबहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार दोपहर मदन कोठी चौराहे के पास दो तेज रफ्तार बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में घायल एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि तीन अन्य का उपचार मेडिकल कॉलेज में जारी है।

सुरजना खुर्द गांव निवासी दंपती नरेंद्र (35) और उनकी पत्नी सोनी (30) बाइक से सोमवार सुबह जिला मुख्यालय गए थे। वहां से लौटते समय दोपहर में मदन कोठी चौराहे के पास सामने से आ रहे खालिदपुर निवासी अजमत (21) की बाइक से टक्कर हो गई।

अजमत के साथ मंझारा तौकली कैसरगंज निवासी अनीश (20) भी थे। हादसे में दोनों बाइक पर सवार चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने एंबुलेंस बुलवाकर सभी को तुरंत मेडिकल कॉलेज भेजा, जहां नरेंद्र ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

उनकी पत्नी सोनी की हालत गंभीर बताई गई है, अन्य दोनों युवकों का भी इलाज चल रहा है। फखरपुर थाना प्रभारी संजीव सिंह चौहान ने बताया कि दुर्घटना तेज रफ्तार के कारण हुई। मामले की जांच की जा रही है।

110 विद्यार्थियों ने आजमाई अपनी प्रतिभा

कैसरगंज। हुकुम सिंह इंटर कॉलेज में रविवार को आयोजित मंडलीय प्रतिभा खोज परीक्षा शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित माहौल में संपन्न हुई।

परीक्षा प्रभारी की हालत गंभीर बताई गई है, अन्य दोनों युवकों का भी इलाज चल रहा है। फखरपुर थाना प्रभारी संजीव सिंह चौहान ने बताया कि दुर्घटना तेज रफ्तार के कारण हुई। मामले की जांच की जा रही है।

उन्होंने बताया कि परीक्षा को जूनियर, मध्यम और सीनियर वर्ग में विभाजित किया गया था। जूनियर वर्ग में कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों ने प्रतिभा दिखाई, जबकि मध्यम वर्ग में कक्षा नौ और 10 के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। सीनियर वर्ग में कक्षा 11 और 12 के परीक्षार्थियों ने अपने विषय ज्ञान का प्रदर्शन किया। सभी परीक्षार्थी निर्धारित समय पर केंद्र पर पहुंचे, जिससे परीक्षा सुचारु रूप से संचालित हो सकी।

महिला की मौत पर भड़के परिजन, क्लीनिक में तोड़फोड़

वाराणसी। वाराणसी जिले के मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के कछवा रोड स्थित डटरा में मंगलवार शाम निजी क्लीनिक में इलाज के लिए आई मिर्जापुर की एक महिला की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए तोड़फोड़ के साथ ही हाईवे जाम कर दिया। आक्रोशित लोग जिलाधिकारी को बुलाने पर अड़े रहे।



सूचना पर पहुंची तीन थानों मिर्जामुराद, राजातालाब और कपसेठी की पुलिस मौके पर पहुंची। एसीपी के समझाने पर आक्रोशित लोग शांत हुए। डेढ़ घंटे तक जाम की वजह से वाहनों की लंबी कतार लग गई। आरोप है कि आक्रोशित लोगों ने वाहनों में भी तोड़फोड़ की।

भैसा गांव निवासी विनीता सिंह पत्नी हेमंत सिंह की तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें सोमवार को कछवा रोड स्थित सहारा क्लीनिक में भर्ती कराए थे। आरोप है कि हालत खराब होने पर क्लीनिक संचालिका ने उन्हें वाराणसी के निजी अस्पताल रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद निजी क्लीनिक पर पहुंचे लोगों ने तोड़फोड़ करते हुए हाईवे जाम कर दिया। एसीपी राजातालाब अजय कुमार श्रीवास्तव ने पूरे प्रकरण की जानकारी ली। साथ ही तोड़फोड़ और हाईवे जाम करने वालों के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया। थाना प्रभारी मिर्जामुराद प्रमोद कुमार पांडेय ने बताया कि तोड़फोड़ व सड़क जाम करने वालों को चिन्हित किया जा रहा है।

मैहर देवी और विंध्यवासिनी मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी, एजेसियां अलर्ट

मिर्जापुर। विश्व विख्यात आदिशक्ति मां विंध्यवासिनी मंदिर को सोमवार की आधी रात बम से उड़ाने की धमकी पुलिस को मिली। 112 पर कंट्रोल रूम को धमकी मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स बम डिस्पोजल स्वाड के साथ विन्ध्याचल पहुंची। देर रात तक विन्धु यवासिनी मंदिर सहित, अष्टभुजा, कालीखोह मंदिरों की सघन जांच की गई।



ज्ञानवापी रिवीजन अर्जी पर हुई सुनवाई, एक दिसंबर को पड़ी अगली तारीख

वाराणसी। अपर जिला जज (सप्टम) विकास कुमार की अदालत में वर्ष 1991 के ज्ञानवापी मामले में नियुक्त वाद मित्र विजय शंकर रस्तोगी के खिलाफ दाखिल रिवीजन अर्जी पर मंगलवार को सुनवाई हुई। अधिवक्ता की ओर से अदालत से इस प्रकरण की मूल पत्रावली तलब करने का अनुरोध किया गया। अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख एक दिसंबर तय की है।

विश्व की ओर से दाखिल आपत्ति पर प्रति-आपत्ति भी दाखिल की गई। पिछले महीने अधिवक्ता की ओर से जिला जज की अदालत में रिवीजन दाखिल किया था, जिसमें कहा गया कि 11 अक्तूबर 2019 के आदेश से विजय शंकर रस्तोगी को वाद मित्र नियुक्त किया गया था।

नियुक्ति एकतरफा, बिना पारदर्शिता और बिना सार्वजनिक सूचना के की गई। रस्तोगी पूर्व में वादी पक्ष के वकील रह चुके हैं, जिससे हितां का टकराव उत्पन्न होता है।

भूमि विवाद में हुई थी दवा कारोबारी की हत्या, तीन आरोपी गिरफ्तार

चंदौली। नगर के दवा कारोबारी रोहिताश पाल उर्फ रोमी हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की मानें तो भूमि विवाद के चलते इस हत्या की साजिश रची गई थी। वहीं वारदात को अंजाम देने वाले शूटर की तलाश में नौ टीमें अलग-अलग स्थानों पर दबिश दे रही हैं।

थाना मुगलसराय में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, 18 नवंबर की रात लगभग साढ़े दस बजे रोमी पाल अपनी दुकान पॉपुलर मेडिकल स्टोर धर्मशाला रोड बंद कर घर जाने की तैयारी कर रहे थे। तभी एक अज्ञात व्यक्ति ने पीछे से उनके सिर में गोली मार दी। गंभीर हालत में उन्हें बीएचयू ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था।

घटना के बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक चंदौली आदित्य लांहे ने इसका खुलासा मंगलवार को पुलिस लाइन में की। बताया कि पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर करीब तीन सौ से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसके आधार पर मंगलवार को

ओमप्रकाश जायसवाल निवासी मुगलसराय, मनोज जायसवाल निवासी मुगलसराय तथा भानू जायसवाल निवासी नदेसर वाराणसी को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में पता चला कि रोमी पाल के दादा के नाम की पैतृक संपत्ति को फर्जी तरीके से मृतक के परिवार की दूसरी शाखा ने भानू जायसवाल को बेच दिया था। इस जमीन पर कब्जा करने का प्रयास जब सफल नहीं हुआ तो रोमी ने बैनामा रद्द कराने के लिए अदालत में मुकदमा दायर किया था। इसी रंजिश में भानू ने स्थानीय लोगों ओमप्रकाश और मनोज के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई।

पुलिस का कहना है कि घटना में शामिल अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है। शूटर की गिरफ्तारी जल्द की जाएगी। गिरफ्तार तीनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी विभिन्न थाना क्षेत्रों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर तीनों को जेल भेज दिया।



प्रधानमंत्री बने नितेश, शिवानी उपप्रधानमंत्री

बहराइच। ग्राम पंचायत मोगलहा के उच्च प्राथमिक विद्यालय में बाल संसद निर्वाचन कार्यक्रम सोमवार को उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित किया गया। बच्चों ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समझते हुए मतदान किया और अपने मंत्रियों का चुनाव स्वयं किया। मतदान के बाद बच्चों को सम्मानित भी किया गया।

चुनाव में नितेश 25 वोट पाकर प्रधानमंत्री चुने गए, जबकि शिवानी 18 वोट के साथ उपप्रधानमंत्री बनीं। स्वास्थ्य मंत्री पिंकू 27 और उपस्वास्थ्य मंत्री अर्चना वर्मा 19 वोट से चुने गए।

सूचना मंत्री वैभव सिंह 26 वोट, उपसूचना मंत्री अर्चना पाल 17 वोट, रक्षा मंत्री विशाल 27 वोट व उपरक्षा मंत्री वैष्णवी 16 वोट से चुने गए। खेल मंत्री अमित को 26 वोट मिले और उपखेल मंत्री आराधना 25 वोट से विजयी रहीं। शिक्षा मंत्री सतिता 23 वोट तथा उपशिक्षा मंत्री धनीराम 20 वोट से चुने गए।

मंत्री पद मिलने के बाद बच्चों ने अपनी जिम्मेदारियों को लेकर उत्साह दिखाया। कार्यक्रम की संयोजक रचना मिश्रा ने बताया कि चुनाव का उद्देश्य बच्चों को लोकतंत्र की समझ देना है।

उन्हें बाल विवाह, बाल श्रम, बाल अधिकार और सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

अंत में बच्चों को शपथ दिलाई गई और पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में शिक्षक, अभिभावक, ग्रामवासी और देहात इंडिया टीम मौजूद रही।

केंडीसी ऑरेंज ने रेड को हराया

बहराइच। किसान डिग्री कॉलेज के मैदान में सोमवार को केंडीसी क्रिकेट अकादमी द्वारा आयोजित अंडर-14 चैंपियंस लीग में केंडीसी रेड और ऑरेंज के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। केंडीसी ऑरेंज ने केंडीसी रेड को शिकस्त दी।

टॉस जीतकर केंडीसी रेड के कप्तान कोस्तुभ मनी शुक्ला ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। निर्धारित 50 ओवरों के मैच में केंडीसी रेड 41वें ओवर में ऑलआउट होकर 155 रन ही बना सकी। टीम की ओर से मोहम्मद आदिल ने 32 और अर्जुन कृष्णा ने 27 रन बनाए। केंडीसी ऑरेंज के गेंदबाज आरव गुप्ता ने चार विकेट, जबकि विनायक निषाद, कपिल और उमंग वर्मा ने दो-दो विकेट लिए।

केंडीसी ऑरेंज ने 156 रनों के लक्ष्य को 17वें ओवर में पांच विकेट से हासिल कर जीत दर्ज की। टीम की ओर से विनायक ने 27 गेंदों में शानदार 68 रन बनाए, जबकि कपिल ने नाबाद 35 रन जोड़े। केंडीसी रेड के कप्तान कोस्तुभ मनी शुक्ला ने तीन विकेट लिए, लेकिन अन्य गेंदबाज प्रभावित नहीं कर सके।

बेहरीनन प्रदर्शन के लिए विनायक निषाद को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। मैच में अपायरिंग की जिम्मेदारी प्रदीप गुप्ता और सूरज ने निभाई, जबकि स्कोरर की भूमिका अंश शुक्ला ने संभाली। इस जीत के साथ केंडीसी ऑरेंज लीग में अपने अभियान को मजबूत बनाने में सफल रही।

मेडिकल कॉलेज में 1890 मरीजों का हुआ उपचार

बहराइच। तराई क्षेत्र में सर्दी ने दस्तक दे दी है और मौसम के इस बदलते मिजाज का असर सीधे लोगों की सेहत पर पड़ रहा है। रविवार की छुट्टी के बाद सोमवार को मेडिकल कॉलेज खुलते ही मरीजों की लंबी कतारें लग गईं। दिनभर चली ओपीडी में कुल 1890 मरीजों का उपचार किया गया। इनमें सबसे अधिक मरीज निमोनिया और मौसमी बीमारियों से पीड़ित पाए गए।

सुबह से ही मेडिसिन विभाग में भीड़ बढ़नी शुरू हो गई थी। डॉक्टर कक्ष के बाहर मरीजों और उनके परिजनों की लंबी लाइनें देखने को मिलीं, जिनमें कई मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ा। चिकित्सकों के अनुसार मौसम में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव के कारण रोगियों की संख्या में तेजी आई है।

हड्डी रोग विभाग में भी मरीज अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। वहीं बाल रोग विभाग की ओपीडी में लगभग 250 बच्चों का उपचार किया गया, जिनमें उल्टी-दस्त, बुखार और निमोनिया के अधिक मरीज शामिल रहे। विभाग के जनरल वार्ड में 37 बच्चे, जबकि पीआईसीयू में 18 मरीज भर्ती हैं।

सीएमएस डॉ. एमएमएम त्रिपाठी ने बताया कि रविवार को छुट्टी होने के कारण सोमवार को मरीजों की संख्या सामान्य से कहीं अधिक रही। उन्होंने कहा कि सभी मरीजों की जांच कराकर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई गईं। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने लोगों से स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने की अपील की है।

दवा व्यवसायी की सलहज ने उड़ाए थे आभूषण, गिरफ्तार

बहराइच। दवा व्यवसायी के घर से करीब 50 लाख रुपये के जेवरात की चोरी का खुलासा सोमवार को पुलिस ने कर दिया। व्यवसायी की सलहज को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई रिश्तेदार ने व्यवसायी की पत्नी को नशीली दवा खिलाकर घटना को अंजाम देने की बात स्वीकारी है। पुलिस ने जेवरात को कब्जे में लेकर आरोपी महिला को जेल भेज दिया।

शहर के डीएसएल ग्रीन सिटी सी-7 निवासी दवा व्यवसायी मनोज कुमार तुलस्यान ने 22 नवंबर को दरगाह थाने में तहरीर दी थी कि 17 से 19 नवंबर के बीच वह घर पर नहीं थे।

घर की अलमारी का लॉकर तोड़कर उनकी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के 50 लाख से अधिक के आभूषण चोरी कर लिए गए। व्यवसायी ने चोरी का शक उनके अनुपस्थिति में घर आई साले की पत्नी शिवानी खेतान, उनके ससुर रविंद्र खेतान और पुत्र विष्णु खेतान पर जताया था।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर अशोक कुमार सिंह ने बताया कि इस मामले में दरगाह शरीफ थाना, स्पोर्ट और सर्विलांस टीम को लगाया गया। टीम ने घटनास्थल के निरीक्षण, तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग की मदद से जांच आगे बढ़ाई, तो मामले में दवा व्यवसायी के रिश्तेदारों की संलिप्तता उजागर हुई।

एससीपी ने बताया कि सोमवार सुबह करीब नौ बजे गुल्लाबीर मंदिर के पास अंडरपास रेलवे क्रॉसिंग के निकट घेराबंदी कर आरोपी शिवानी खेतान को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से चोरी किए गए आभूषण सुरक्षित बरामद कर लिए गए।

पूछताछ में आरोपी शिवानी ने पुलिस को बताया कि वह ननदोई मनोज कुमार तुलस्यान के घर 17 नवंबर को अपने ससुर और बेटे के साथ गई थी।

पहले आभूषणों की रेकी की और इसके बाद ननदोई के दोनों पुत्रों के सुबह मेडिकल स्टोर पर जाने के बाद पहले से बीमार ननद को डिप्रेशन की गोलियां खिला दी, अचेत अवस्था में होने के बाद सभी जेवरात अलमारी के लॉकर से निकालकर अपने घर चली गई। बताया कि उसने आभूषणों को कई जगह बेचने का काफ़ी प्रयास किया, लेकिन सराफा कारोबारियों द्वारा आधार कार्डध्वहचान पत्र मांगने के कारण वह बेचने में सफल नहीं हो पाई।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी भारत की

नई दिल्ली। भारत एक बार फिर वैश्विक खेल मंच पर बड़ा कदम रखने जा रहा है। 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी अब लगभग औपचारिक प्रक्रिया भर रह गई है और बुधवार को ग्लास्गो में होने वाली कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स जनरल असेंबली में इस पर मुहर लगने की पूरी उम्मीद है। यह फैसला भारत को न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय खेल व्यवस्था में और मजबूत बनाएगा, बल्कि 2036 ओलंपिक मेजबानी के सपने की दिशा में भी यह एक महत्वपूर्ण प्रगति मानी जा रही है।

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स बोर्ड ने पहले ही भारत के पक्ष में सिफारिश कर दी थी और अब जनरल असेंबली में इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। भारत के

सामने 2030 मेजबानी अड़िकाओं के लिए नाइजीरिया के अबूजा शहर से प्रतिस्पर्ा थी, लेकिन समिति ने अबूजा को 2034 के लिए संभावित मेजबान के रूप में तैयार करने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। भारत की तरफ से इस कार्यक्रम में संयुक्त सचिव (खेल) कुनाल, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष सांघवी सहित कई प्रतिनिधि मौजूद होंगे।

2010 दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स के बाद यह दूसरा मौका होगा जब भारत इन खेलों की मेजबानी करेगा। इस बार आयोजन स्थल होगा अहमदाबाद, जिसने पिछले 10 वर्षों में ओलंपिक मेजबानी होगा, जिसकी प्रस्तावित जगह भी अहमदाबाद ही है।



खेल अधोसंरचना में सबसे तेज विकास किया है। शहर में बन रहा सरदार पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव इन खेलों की मुख्य धुरी होगा। इनमें शामिल होंगे एक हार्ड-टेक एक्वाटिक्स सेंटर अत्याधुनिक फुटबॉल स्टेडियम दो विशाल इंडोर एरीना और 3,000 खिलाड़ियों के रहने की क्षमता वाला एथलीट विलेज इसके अलावा दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम, नरेंद्र मोदी स्टेडियम (क्षमता 1 लाख) पहले से मौजूद है।

पिछले कुछ महीनों में शहर ने कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट सफलतापूर्वक आयोजित किए हैं, जिनमें कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप, एशियन एक्वाटिक्स चैंपियनशिप और एएफसी अंडर-17 एशियाई कप क्वालिफायर शामिल हैं। आने वाले वर्षों में अहमदाबाद 2026रू एशियन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप, 2026रू एशिया पैरा-आर्चरी कप और 2029रू वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स का मेजबान होगा।

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स ने भारत के प्रस्ताव को आकर्षक, व्यापक और आधुनिक कॉमनवेल्थ मूल्यों के अनुरूप बताया है। यदि इस आयोजन की सफलता तय हुई, तो भारत का अगला लक्ष्य 2036 ओलंपिक मेजबानी होगा, जिसकी प्रस्तावित जगह भी अहमदाबाद ही है।

खराब मौसम के कारण स्थगित हुआ भारत-बेल्जियम मैच

भारत और बेल्जियम के बीच अजलन शाह कप हॉकी टूर्नामेंट के दूसरे दौर का मैच खराब मौसम के कारण अब मंगलवार को खेला जाएगा। भारत और बेल्जियम का मैच समय पर शुरू हुआ लेकिन तीन मिनट बाद ही भारी बारिश के कारण इसे रोकना पड़ा। इसके बाद मैच रात 8रू45 से शुरू हुआ लेकिन मौसम में सुधार नहीं देखते हुए मैच को कल तक स्थगित करने का फैसला किया गया।

आयोजकों द्वारा जारी बयान में कहा गया, श्भारतीय पुरुष हॉकी टीम का बेल्जियम के खिलाफ सुल्तान अजलन शाह कप का मैच स्थगित कर दिया गया है। अब यह मैच कल होगा। भारत छह साल बाद टूर्नामेंट में खेल रहा है। पहले मैच में भारत ने कोरिया को 1-0 से हराया था।



भारत के सामने 549 रन का लक्ष्य, क्या 21वीं सदी में दूसरी बार स्वेगा इतिहास?

टेस्ट इतिहास में केवल एक बार ही किसी टीम ने मैच के पांचवें दिन 400 से अधिक रन बनाए। 1948 में हेडिंग्ले में ऑस्ट्रेलिया (ब्रेडमैन की अजेय टीम) ने इंग्लैंड के विरुद्ध 404६3 का स्कोर बनाया था, जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 400 से अधिक रनों का पीछा करने का पहला सफल प्रयास था। हालांकि, भारत के सामने लक्ष्य इससे भी ज्यादा है।

गुवाहाटी टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका ने भारत के सामने 549 रन का लक्ष्य रखा है। भारत के सामने टेस्ट क्रिकेट में दूसरी बार 500 रन का लक्ष्य रखा है। इससे पहले यह मौका 2004 में नागपुर में आया था, जब ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सामने 543 रन का लक्ष्य रखा था। उस मुकाबले में भारत को 342 रन से हार मिली थी, जो आज भी टीम इंडिया की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी हार है। अब एक बार फिर वही स्थिति है और भारतीय टीम के सामने लक्ष्य बढ़ा है, पिच चुनौतीपूर्ण है और इतिहास भारत के पक्ष में नहीं।

549 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 27 रन बना लिए हैं। जीत के लिए उसे अभी भी 522 रन बनाने हैं। बुधवार को 90 ओवर का खेल तय करेगा कि भारत मैच में वापसी कर सकता है या नहीं। हालांकि, आज तक कभी आखिरी दिन इतना लक्ष्य किसी टीम ने हासिल नहीं किया है। भारत के सामने मैच को ज़ाँ कराने का विकल्प होगा। मैच को ज़ाँ कराने पर भी भारत दो टेस्ट मैचों की यह सीरीज हार जाएगा, क्योंकि कोलकाता

टेस्ट दक्षिण अफ्रीका ने जीता था। ऐसे में भारत के सामने जीत ही इस सीरीज को बचाने का एकमात्र विकल्प है। क्या भारत असंभव सी कहानी लिख पाएगा? यह तो कल 90 का खेल ही बताएगा।

टेस्ट इतिहास में केवल एक बार ही किसी टीम ने मैच के पांचवें दिन 400 से अधिक रन बनाए। 1948 में हेडिंग्ले में



ऑस्ट्रेलिया (ब्रेडमैन की अजेय टीम) ने इंग्लैंड के विरुद्ध 404६3 का स्कोर बनाया था, जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 400 से अधिक रनों का पीछा करने का पहला सफल प्रयास था। हालांकि, भारत के सामने लक्ष्य इससे भी ज्यादा है। भारत को दूसरी पारी

स्मृति मंधाना के पिता को अस्पताल से मिली छुट्टी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना और संगीतकार पलाश

पलाश के भी अस्पताल में भर्ती होने की खबर आई। इस बारे में ताजा स्थिति जानने के लिए अमर उजाला ने परिवार के

उसका परिवार ने खंडन किया है।

स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना को मंगलवार को

कर रहे डॉ. राहुल थानेदार ने इस बारे में बताया कि स्मृति के पिता को माइनर हार्ट अटैक आया था। उनकी स्थिति अब पहले से बेहतर है। इस वजह से उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और नियमित

पहले ही सभी स्मृति के फार्म हाउस पर हुए महिला संगीत में शामिल हुए थे। इस समारोह में शामिल हुए कुछ मेहमानों ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया कि रस्मों के दौरान पलक के पिता ने डांस भी किया था। कुछ मेहमान

मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर एक यूजर ने कथित चोट्स के स्क्रीनशॉट साझा कर दिए गए। इसमें दावा किया गया कि यह चौट पलाश और एक महिला मैरी डी कॉस्टा के बीच के हैं। (अमर उजाला इसकी सत्यता की पुष्टि नहीं करता।)



मुछाल की शादी की रस्में 23 नवंबर को पूरी नहीं हो सकी थीं। उस दिन ये खबरें सामने आई कि स्मृति के पिता को दिल का दौरा पड़ा है। बाद में

सदस्यों और डॉक्टरों से बातचीत करने की कोशिश की। परिवार के सदस्य अभी कुछ भी खुलकर कहने की स्थिति में नहीं हैं। हालांकि, जो अटकलें चल रही हैं,

अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। हालांकि स्मृति के परिवार की ओर से इस बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की गई। वे सांगली के सर्वोच्च अस्पताल में भर्ती थे। उनका इलाज



चेकअप की सलाह दी गई है।

परिवार के सूत्रों ने बताया कि पलाश मुछाल अभी मुंबई के अस्पताल में भर्ती हैं। उन्हें एंजायटी की दिक्कत हुई है। असल में जब स्मृति के पिता की सेहत बिगड़ने के बाद शादी की रस्में टालने का फैसला हुआ, तो पलाश काफी रोए थे। इस कारण उनकी तबीयत खराब हो गई।

23 नवंबर की शाम को स्मृति और पलाश मुछाल विवाह सूत्र में बंधने वाले थे। बाद में स्मृति ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से हल्दी, महिला संगीत, सगाई के वीडियो हटा दिए। एक दिन

शाम तक सांगली पहुंचने वाले थे, लेकिन उन्हें अचानक शादी टल जाने का पता चला तो वे बीच रास्ते से ही लौट गए। सांगली से पलाश अपनी मां अमिता मुछाल के साथ मुंबई लौट आए। हालांकि पहले वे सांगली के अस्पताल में भी कुछ समय के लिए भर्ती हुए थे। पलाश की बहन पलक और उनके पति संगीतकार मिथुन शर्मा भी देर रात मुंबई लौट आए थे।

जब स्मृति ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से शादी की रस्मों से जुड़ी तस्वीरें सभी को आश्चर्य हुआ। स्थिति तब और उलझ गई, जब सोशल

हालांकि अब वह अकाउंट और प्रोफाइल पिक्चर डिलीट हो चुका है, लेकिन चोट्स तेजी से इंटरनेट पर वायरल हो गए। स्क्रीनशॉट्स में कथित तौर पर दिख रहा है कि ये मई 2025 की चोट्स हैं। इस बारे में जब जानने का प्रयास किया गया, तो परिवार के सूत्रों ने कहा कि इस तरह का कोई मामला नहीं है। ये सब अटकलें हैं। शादी टलने की असली वजह स्मृति के पिता और पलाश की सेहत ही है। अभी तक शादी की नई तारीख को लेकर कोई भी फैसला नहीं लिया गया है।

चीनी ताइपे को हराकर भारतीय महिला टीम बनी कबड्डी विश्व कप की विजेता

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने सोमवार को कबड्डी विश्व कप के फाइनल मुकाबले में चीनी ताइपे को 35-28 से हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। भारत ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन फॉर्म दिखाया। ग्रुप चरण के सभी मैच जीतकर टीम सेमीफाइनल में पहुंची, जहां उसने ईरान को 33-21 से शिकस्त देकर फाइनल में प्रवेश किया। चीनी ताइपे भी अपने ग्रुप में अपराजित रही और सेमीफाइनल में मेजबान बांग्लादेश को 25-18 से हराकर फाइनल में पहुंची थी।



भारतीय महिला कबड्डी टीम की ऐतिहासिक जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, कबड्डी विश्व कप 2025 जीतकर देश को गर्व महसूस कराने के लिए हमारी इंडियन विमेंस कबड्डी टीम को बधाई। भारतीय टीम की जीत पर बात करते हुए हरियाणा स्टीलर्स के मुख्य कोच मनप्रीत सिंह ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, महिला टीम ने ऐसा प्रदर्शन किया है जिस पर पूरा देश गर्व कर सकता है। टीम का आत्मविश्वास और सामूहिक खेल लाजवाब था। एक पूर्व भारतीय खिलाड़ी होने के नाते मैं जानता हूं कि इस स्तर तक पहुंचना कितना मुश्किल होता है। खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को ढेरों बधाई।

वहीं, पुनेरी पल्टन के मुख्य कोच अजय ठाकुर ने कहा, ढाका में महिला टीम ने लगातार दूसरा विश्व कप अपने नाम किया, यह भारत के लिए बेहद गर्व का क्षण है। उनकी शानदार रन और दमदार प्रदर्शन से पता चलता है कि पिछले कुछ वर्षों में महिला कबड्डी कितनी आगे बढ़ी है। यह खेल की वैश्विक लोकप्रियता का भी प्रमाण है, और मुझे उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में यह गति और बढ़ेगी।

‘वाराणसी’ टीजर लॉन्च के दौरान कुछ यूं हुई थी महेश बाबू की एंट्री की तैयारी

महेश बाबू की आगामी फिल्म ‘वाराणसी’ के टीजर लॉन्च इवेंट पर अभिनेता की एंट्री ने सबका ध्यान खींच लिया था। अब मेकर्स ने स्टेज पर इस खास एंट्री की तैयारियों वाला बीटीएस वीडियो साझा किया है।

एसएस राजामौली ने बीते दिनों ग्लोबट्रॉटर इवेंट में अपनी आगामी फिल्म श्वाराणसीश की घोषणा की थी। साथ ही उन्होंने इसका टीजर भी रिलीज किया था। इसके अलावा अभिनेता महेश बाबू ने इलेक्ट्रिक बुल पर बैठकर स्टेज पर जबरदस्त एंट्री की थी, जिसे देखते ही फैंस उत्साहित हो उठे थे। फिल्म निर्माताओं ने एक्टर की इस खास एंट्री के लिए की गई तैयारियों वाला ठूँै वीडियो शेयर किया है, जिसमें लोग दिन-रात मेहनत करते दिख रहे हैं।

फिल्म ‘वाराणसी’ के निर्माताओं ने महेश बाबू की खास एंट्री वाले वीडियो का बिहाइंड

अजय की ‘दे दे प्यार दे 2’ की रफ्तार पड़ी धीमी

अजय देवगन, रकुल प्रीत सिंह और आर. माधवन की तिकड़ी वाली ‘दे दे प्यार दे 2’ शुरुआती तेज रफ्तार के बाद अब थोड़ी सुस्त नजर आ रही है, लेकिन इसके बावजूद फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ पूरी तरह नहीं छोड़ी है। दूसरे हफ्ते की शुरुआत तक आते-आते फिल्म का कलेक्शन धीमा जरूर पड़ा, लेकिन स्थिर बना रहा, जो दर्शाता है कि दर्शकों का प्यार अभी भी फिल्म के साथ कायम है।



उछाल लेते हुए बाकी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया। वीकेंड के बाद जब बारहवें दिन के आंकड़े आए, तो फिल्म ने खबर लिखे जाने तक 1.51 करोड़ की कमाई की, जिससे इसका कुल कलेक्शन लगभग 65 करोड़ के करीब पहुंच गया।

पहले नौ दिनों की बात करें, तो फिल्म ने वीकेंड पर लगभग 34 करोड़ का कलेक्शन किया था। हफ्ते के दिनों में हल्की गिरावट के बावजूद यह 51 करोड़ के पार निकल गई। दूसरे हफ्ते की शुरुआत थोड़ी धीमी रही, लेकिन शनिवार और रविवार को फिर से दर्शकों ने थिएटर का रुख किया। दसवें दिन का कलेक्शन 4.50 करोड़ रहा, जिससे साफ होता है कि फिल्म अपनी पकड़ अभी छोड़ने के मूड में नहीं है। फिल्म का बारह दिन का कलेक्शन अब 64.71 करोड़ हो गया है।

कहानी की बात करें तो निर्देशक अंशुल शर्मा ने पहली फिल्म की टोन को बरकरार रखते हुए इस बार रिशतों की उलझनों को दूसरी तरफ से दिखाया है। अजय देवगन एक बार फिर अपनी सहज कॉमिक टाइमिंग से सबका दिल जीत लेते हैं, जबकि रकुल प्रीत उनके किरदार के साथ पहले भाग की तरह ही पूरी तरह फिट बैठती हैं। इस बार आर. माधवन की एंट्री कहानी में नया मोड़ जोड़ती है। उनके साथ आने से कथा का टकराव और मजेदार बन जाता है।

फिल्म की स्टार कास्ट भी इसकी खासियत है। जावेद जाफरी और मीजान जाफरी की उपस्थिति फिल्म को अतिरिक्त मजा देती है। गौतमी कपूर और इशिता दत्ता अपने-अपने किरदारों में सहज लगती हैं और कहानी की लय को बनाए रखती हैं।

प्रभास की ‘द राजा साब’ का गाना रिवेल हुआ रिलीज, लश्चिंग में देशी के लिए फैस से मांगी गई माफी

मारुति की हॉरर कॉमेडी फिल्म ‘द राजा साब’ का पहला गाना ‘रिबेल सॉन्गश’ रविवार को रिलीज किया गया। इस गाने में प्रभास अपने रिवेल अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस गाने के तेलुगु वर्जन को संजिथ हेगड़े और ब्लेज, जबकि हिंदी संस्करण को सचेत टंडन ने आवाज दी है।

हैदराबाद के विमल 70 एमएम थिएटर में इस गाने की पहली झलक देखने के लिए भारी संख्या में प्रशंसक जुटे। निर्धारित समय शाम 6रु11 बजे लॉन्च होना था, लेकिन तकनीकी कारणों से इसकी रिलीज कुछ घंटों लेट हो गई। गाना उपलब्ध होने के बाद सिर्फ एक घंटे के भीतर इसे 10 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है।

इस लिрикल वीडियो में गाने की कई झलकियां शामिल हैं, जिनमें प्रभास अलग-अलग रंग के कपड़ों में नजर आ रहे हैं। प्रभास का यह चुलबुला अंदाज देखकर प्रशंसक काफी उत्साहित नजर आए, जिसका अंदाजा उनके जबरदस्त रिएक्शन्स से लगाया जा सकता है।

इस गाने की लॉन्चिंग जहां शाम 6 बजे तय थी, वहीं गीत आखिरकार 9 बजे बड़े पर्दे पर चल पाया। प्रभास स्वयं कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके, लेकिन निर्देशक मारुति और क्रिएटिव प्रोड्यूसर मंच पर पहुंचे और देशी के पीछे की वजह बताते हुए फैंस से माफी मांगी।



दर्शक थिएटर के बाहर और अंदर घंटों इंतजार करते रहे। ज़छ और निर्देशक मारुथी रात 8 बजे के बाद इवेंट पर पहुंचे और तब तक टीम गाने को थियेट्रिकल रिलीज के लिए अपलोड करने में जुटी रही। बाद में ज़छ ने मंच से कहा कि यह फिल्म पूरे भारत के लिए बनाई जा रही है और ऐसे में कन्नड़ और मलयालम संस्करण में तकनीकी गड़बड़ी को तुरंत ठीक करना पड़ा। उन्होंने कहा कि टीम के दबाव में होने के चलते अपलोडिंग में फाइनल गड़बड़ी तक हो गई, जिसे सुधारने में समय लगा। ज़छ ने फैंस से कहाकृहम भी आपकी ही तरह इस फिल्म से जुड़े हैं, इसलिए थोड़ी धैर्य की उम्मीद है। निर्देशक मारुथी ने भी स्थिति स्पष्ट करते हुए फैंस का ६ न्यवाद किया और देशी पर खेद जताया।

तकनीकी समस्या ठीक होते ही चंद मिनट बाद गाना बड़े पर्दे पर चलाया गया, जिसे फैंस ने जोरदार प्रतिक्रिया के साथ स्वीकार किया। गाने को थमन ने कंपोज किया है। तेलुगु वर्जन को संजिथ हेगड़े और ब्लेज, जबकि हिंदी संस्करण को सचेत टंडन ने आवाज दी है। हिंदी लिрикस कुमार ने लिखे हैं। इसके अलावा तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में भी गीत एक साथ रिलीज किया गया।

द सीन क्लिप जारी किया है। वीडियो में दिख रहा कि किस प्रकार उस मैकेनिकल बुल को तैयार किया गया था, जिसपर बैठकर अभिनेता ने एंट्री की थी। इसके साथ एक जगह देखा जा रहा है कि एसएस राजामौली खुद इस पर बैठकर टेस्ट ड्राइव कर रहे हैं और कारीगरों को समझा रहे हैं कि इसे और अच्छा कैसे बनाया जाए। फिर अंत में महेश बाबू भी बैठकर ट्राई करते हैं और फिर स्टेज पर अभिनेता की दमदार एंट्री वाली क्लिप दिखाई जाती है।

फिल्म श्वाराणसीश में प्रियंका चोपड़ा के अलावा साउथ स्टार महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। फिल्म में महेश बाबू शरुद्रश के किरदार और प्रियंका श्मंदाकिनीश का रोल कर रही हैं। वहीं पृथ्वीराज विलेन शकुंभाश के किरदार में होंगे।



तरबूज पर उकेरी धर्मैद्र की तस्वीर, शेफ ने की अनूठी कला से दिवंगत अभिनेता को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

उदयपुर के युवा कलाकार और शेफ हर्षवर्धन ने दिवंगत अभिनेता धर्मैद्र को अनोखी श्रद्धांजलि देते हुए तरबूज पर उनकी बारीक कार्विंग बनाई। धर्मैद्र से बचपन से प्रेरित हर्षवर्धन की यह



शेफ हर्षवर्धन ने अपनी मशहूर तरबूज कार्विंग कला का उपयोग करते हुए धर्मैद्र की तस्वीर तरबूज पर उकेरी। तरबूज पर बनाई गई इस कलाकृति में अभिनेता का चेहरा इतना जीवंत और आकर्षक दिखाई देता है कि देखने वालों को ऐसा लगता है मानो अभिनेता का पूरा व्यक्तित्व इस फल पर उभर आया हो। यह अनूठी श्रद्धांजलि सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

हर्षवर्धन ने बताया कि धर्मैद्र उनके बचपन के पसंदीदा अभिनेता रहे हैं और उन्होंने उनकी फिल्मों को देखकर ही बड़ा होते हुए अभिनय और व्यक्तित्व की बारीकियां सीखी हैं। धर्मैद्र का अंदाज, संवाद शैली और लव कैरेक्टर में उनका अभिनय हमेशा उन्हें प्रेरित करता रहा। इसी भावनात्मक लगाव ने उन्हें इस खास कलाकृति के जरिए श्रद्धांजलि देने के लिए प्रेरित किया।

तरबूज कार्विंग में हर्षवर्धन देशभर में अपनी अनूठी पहचान बना चुके हैं। इससे पहले भी वे कई खास मौकों पर चर्चित कलाकृतियां बना चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर तरबूज पर उकेरी गई उनकी तस्वीर भी काफी सुर्खियों में रही थी। हर्षवर्धन की कला की विशेषता यह है कि वे केवल चेहरे की आकृति नहीं बनाते, बल्कि बारीकियों को इतने कौशल से उभारते हैं कि उनमें जीवंतता झलकने लगती है।

जीवंत कलाकृति सोशल मीडिया पर वायरल है और उनकी अद्भुत कला का उदाहरण भी।

बॉलीवुड के महानायक और ही-मैन के रूप में मशहूर अभिनेता धर्मैद्र के देहांत की खबर ने पूरे देश को शोक में डाल दिया है। सोशल मीडिया से लेकर फिल्म जगत तक श्रद्धांजलि की लहर दौड़ गई है। इसी बीच उदयपुर के युवा कलाकार और शेफ हर्षवर्धन की अनोखी श्रद्धांजलि ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

जान्हवी कपूर की फिल्म ‘पेद्दी’ के मेकर्स का बड़ा फैसला

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर की आगामी फिल्म ‘पेद्दी’ के निर्माताओं ने बड़ा फैसला लिया। आज सोमवार को फिल्म से जुड़ी विशेष जानकारी दी जानी थी, लेकिन अभिनेता धर्मैद्र के निधन के कारण इसे टाल दिया गया है। मेकर्स ने पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी है।

बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित फिल्म ‘पेद्दी’ के निर्माताओं ने एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी। उन्होंने बताया ः

मैर्द्र जी के निधन की खबर सुनकर हमें गहरा दुख हुआ है। उन्होंने जिस युग को परिभाषित किया, उसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकती। इस दुख की घड़ी में और उनके सम्मान में, आज शाम 4.05 बजे होने वाली घोषणा को स्थगित किया जा रहा है। टीम ‘पेद्दी’ पूरे परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना और प्रार्थना व्यक्त करती है।

यह फिल्म 27 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को सभी भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। श्पेद्दी में राम चरण और जान्हवी कपूर के अलावा दिव्येंदु शर्मा, शिव राजकुमार और जगपति बाबू भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन बुचि बाबू सना द्वारा किया जा रहा है। वहीं इस फिल्म का निर्माण सुकुमार राइटिंग्स, मैत्री मूवी मेकर्स और टी-सीरीज द्वारा हो रहा है। वहीं इसे वृद्धि सिनेमाज के बैनर तले संयुक्त रूप से तैयार किया जा रहा है। फिल्म में ऑस्कर विजेता ए.आर. रहमान संगीत तैयार कर रहे हैं, रत्नवेलु छायांकन, कोल्ला अविनाश कला निर्देशन और नवीन नूली संपादन का काम संभाल रहे हैं।



एक्टर धनुष की आगामी फिल्म श्तेरे इश्क मेंश है, जो एक म्यूजिकल फिल्म है। इसका निर्देशन आनंद एल राय कर रहे हैं। इसे हिमांशु शर्मा और नीरज यादव ने लिखा है। इसके गानों को इरशाद कामिल ने लिखा है। साथ ही म्यूजिक देने का काम एआर रहमान ने किया है। इसमें धनुष और कृति सेनन के अलावा प्रभु देवा और सुशील दहिया भी हैं। फिल्म के निर्माता आनंद एल राय, हिमांशु शर्मा, भूषण कुमार, और कृष्ण कुमार हैं। यह फिल्म 28 नवंबर को रिलीज होगी।

एआर रहमान के म्यूजिक कॉन्सर्ट में पहुंचे धनुष

साउथ सुपरस्टार धनुष इन दिनों अपनी आगामी फिल्म श्तेरे इश्क मेंश की वजह से चर्चा में हैं, जो बहुत जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अभिनेता ने संगीतकार एआर रहमान के पुणे कॉन्सर्ट में जैसी ही एंट्री की, दर्शकों में गजब का उत्साह देखा गया। ये वीडियो इंटरनेट पर अब तेजी से वायरल हो रहा है। देखें वीडियो।

वायरल हो रहे एक वीडियो में देखा जा सकता है कि अभिनेता धनुष की एआर रहमान के कॉन्सर्ट में स्पेशल एंट्री हुई। एक्टर लिपट से अचानक स्टेज पर आते हैं। उन्हें देखते ही हजारों संख्या में मौजूद दर्शकों ने खूब हूटिंग की। उनके फैंस का उत्साह देखने लायक था। इसके बाद एक्टर ने हाथ हिलाकर सभी का अभिवादन स्वीकार किया। फिर उन्होंने गायक-संगीतकार एआर रहमान से मुलाकात की। कुछ और वीडियो सामने आए हैं, जिसमें अभिनेता माइक लिए कुछ कहते दिख रहे हैं।

एक्टर धनुष की आगामी फिल्म श्तेरे इश्क मेंश है, जो एक म्यूजिकल फिल्म है। इसका निर्देशन आनंद एल राय कर रहे हैं। इसे हिमांशु शर्मा और नीरज यादव ने लिखा है। इसके गानों को इरशाद कामिल ने लिखा है। साथ ही म्यूजिक देने का काम एआर रहमान ने किया है। इसमें धनुष और कृति सेनन के अलावा प्रभु देवा और सुशील दहिया भी हैं। फिल्म के निर्माता आनंद एल राय, हिमांशु शर्मा, भूषण कुमार, और कृष्ण कुमार हैं। यह फिल्म 28 नवंबर को रिलीज होगी।